मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक
रांची, बुधवार, 31 दिसंबर 2025
संवत 2082, पौष शुक्ल 12 मूल्य-2 रुपये
वर्ष-9, अंक 112 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ भारत में नववर्ष की परंपराएं
उर्फी ने खुद को बताया असुरक्षित ◂◂ 6

हजारीबाग सेंट्रल जेल से तीन कैदी फरार, हाई सिक्योरिटी जेल की सुरक्षा पर उठ रहे सवाल

संवाददाता

हजारीबागः झारखंड का हाई सिक्योरिटी माना जाने वाला लोकनायक जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारा से तीन कैदी सुरक्षा घेरा को तोड़ते हुए फरार हो गए हैं। यह तीनों कैदी धनबाद के हैं। जिसकी पुष्टि जेल अधीक्षक चंद्रशेखर सुमन ने की है। हालांकि ये कौन कैदी है या किस मामले में सजा काट रहे थे या फिर विचाराधीन थे, इसकी जानकारी जेल प्रशासन ने नहीं दी है।

सुरक्षा व्यवस्था पर उठने लगा सवाल : इस घटना ने पूरे प्रशासनिक तंत्र को शकते में ला दिया है। यह जेल हाई सिक्योरिटी के लिए जाना जाता है। जहां खूंखार कैदी और नक्सलियों को रखा जाता है। इसके साथ ही कई विचाराधीन हाई प्रोफाइल कैदी भी जेल में बंद हैं। ऐसे में तीन कैदी के लापता होने के बाद सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठना शुरू हो चुका है।

हजारीबाग जेल की सुरक्षा व्यवस्था को हाल के दिनों में और भी अधिक दुरुस्त किया गया था। सुरक्षा के नजर जेल आईजी ने पिछले दिनों कार्रवाई करते हुए 12 सुरक्षा कर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया था। उसके बाद से ही सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त कर दी गई थी। लेकिन इस घटना ने फिर एक बार हजारीबाग जेल प्रशासन पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवालिया निशान खड़ा हो गया है।

जेल से कैसे फरार हुए तीनों कैदी : तीनों फरार कैदी चार नंबर गुमटी से एक रस्सी के सहारे फरार हुए हैं। जेल के पीछे साइड से एक रस्सी भी देखा गया, जो टेंट हाउस में उपयोग किए जाने वाला कपड़े के टुकड़े से बनाया गया। घटनास्थल को देखकर यह बताया जा सकता है कि रस्सी पहले अंदर से बाहर फेंका गया है। वह रस्सी किसी सामान से हाई सिक्योरिटी जेल के चारों तरफ बिजली के तार से फंसा है। जहां से यह तीनों कैदी फरार हुए हैं।

प्राप्त सूचना के अनुसार यह घटना रात के करीब 1 बजे से 2 बजे के बीच की है। शौचालय जाने के बहाने तीनों कैदी बाहर निकले और शौचालय के खिड़की से फरार हुए हैं। जेल के बाहरी हिस्से में भी तार का फेंसिंग है, जो टूटा हुआ है। हालांकि लोगों का कहना है फेंसिंग पहले से ही टूटा हुआ था। जेल की सुरक्षा के मद्देनजर इसके चार दीवारी पर बिजली का तार भी लगाया गया है। जहां 24 घंटे बिजली प्रवाहित होती है। इसके बावजूद बिजली तार की सुरक्षा घेरे को तोड़कर कैदी फरार हो गए।

घटना के बाद जेल के चारों तरफ बढ़ाई गई सुरक्षा : घटना के बाद जेल के चारों तरफ सुरक्षा बढ़ा दी गई है। किसी को भी मुलाकात करने की इजाजत नहीं दी जा रही है। जितने भी कैदी हैं, उन्हें वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया है। जिले के वरीय पदाधिकारी जिसमें एसडीओ, एसडीपीओ समेत वरीय अधिकारी जेल के अंदर ही जांच कर रहे हैं। मामले में जेल अधीक्षक चंद्रशेखर सुमन ने फोन पर जानकारी दी है कि जेल से 3 कैदी फरार हुए हैं। लेकिन अभी इसके बारे में कोई विशेष जानकारी नहीं दी जा सकती है कि घटना कैसे घटी है। मामले की तफ्तीश की जा रही है।

हाई सिक्योरिटी जेल, फिर भी कैदी फरार : लोकनायक जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारा में पांच स्तरीय सुरक्षा कवच है। कोई भी व्यक्ति जो जेल परिसर के अंदर जाता है, उसे इन पांच सुरक्षा घेरा से गुजरना होता है। जहां संपूर्ण जांच होने के बाद ही जेल के अंदर प्रवेश होने की इजाजत मिलती है। अगर कोई व्यक्ति जेल से बाहर निकलता है तो भी इन पांच लेयर से होते हुए निकलता है। बता दें कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारा ऐतिहासिक जेल है। जहां से लोकनायक जयप्रकाश नारायण अंग्रेजों को चुनौती देते हुए दीपावली के रात फरार हुए थे। उनके नाम पर ही इस जेल का नामकरण हुआ है।

रांची के एक अपार्टमेंट से गार्ड का शव बरामद, जांच में जुटी पुलिस

संवाददाता

रांचीः राज्य की राजधानी रांची के डोरंडा थाना क्षेत्र में स्थित एक अपार्टमेंट के गार्ड का शव बाथरूम से बरामद किया गया है। गार्ड के मोबाइल पर सुसाइड मैसेज मिला है, जिसकी जांच की जा रही है।

क्या है पूरा मामला : रांची के डोरंडा थाना क्षेत्र स्थित सुप्रभात अपार्टमेंट के बाथरूम से एक सिक्योरिटी गार्ड का शव बरामद किया गया है। बरामद शव अपार्टमेंट के ही एक गार्ड प्रकाश लोहरा का है। जो गार्ड के रूप में अपार्टमेंट में काफी दिनों से काम कर रहा था। बुधवार की सुबह जब प्रकाश अपार्टमेंट में कहीं नहीं दिखा, तब उसकी खोज शुरू हुई। जहां रेस्ट हाउस स्थित बाथरूम से प्रकाश का शव मिला।

पुलिस के साथ एफएसएल ने भी की जांच : अपार्टमेंट के लोगों द्वारा मामले की जानकारी डोरंडा पुलिस को दी गई। जानकारी हासिल होने पर पुलिस की एक टीम अपार्टमेंट पहुंची तो उन्होंने पाया कि गार्ड प्रकाश का शव बाथरूम में है और उसके मुंह में कपड़ा ठूंसा हुआ है। जांच के क्रम में प्रकाश के मोबाइल में एक सुसाइड मैसेज भी लिखा हुआ है। हालांकि पुलिस फिलहाल पूरे मामले को संदेहास्पद मानकर ही जांच कर रही है।

मोबाइल पर मिले मैसेज की होगी जांच : डोरंडा थाना प्रभारी दीपिका प्रसाद ने बताया कि मौके पर एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी) की टीम को बुलाकर जांच करवाई गई है। मोबाइल पर जो मैसेज मिला है, वह प्रकाश के द्वारा लिखा गया है या नहीं इसकी भी जांच की जाएगी। मोबाइल को एफएसएल के द्वारा जांच के लिए जब्त किया गया है।

लातेहार के तुबेद कोलियरी में अपराधियों ने की फायरिंग, बाल-बाल बचे कर्मी

लातेहारः जिले के तुबेद कोलियरी में बीती रात दहशत मचाने के लिए अपराधियों ने फायरिंग की घटना को अंजाम दिया। अपराधियों ने तीन राउंड गोलियां चलाई। हालांकि इस गोलीबारी की घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। घटना के बाद सोशल मीडिया के माध्यम से झारखंड के एक आपराधिक गिरोह के सरगना ने इसकी जिम्मेदारी ली है।

फायरिंग के बाद भागने में कामयाब हुए अपराधी : दरअसल, बीती रात एक बाइक पर सवार होकर दो अपराधी कोलयरी के काटा घर के पास पहुंचे थे। इस दौरान अपराधियों ने दो से तीन राउंड फायरिंग की और वहां से भाग गए। फायरिंग की आवाज सुनते ही कोलयरी के सुरक्षा कर्मी तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। लेकिन तब तक दोनों अपराधी वहां से फरार हो चुके थे। इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद डीएसपी अरविंद कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और कोलियरी की ओर जाने वाली सड़कों में नाकाबंदी कर छापेमारी शुरू की गई। हालांकि इस दौरान अपराधियों के खिलाफ कोई सुराग नहीं मिला।

अयोध्या : रक्षा मंत्री और सीएम योगी ने हनुमानगढ़ी और रामलला के किए दर्शन-पूजन

अयोध्या । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को हनुमानगढ़ी पहुंचकर संकट मोचन हनुमान के दर्शन-पूजन किए। हनुमानगढ़ी से निकलने के बाद रक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री सीधे श्रीराम जन्मभूमि परिसर पहुंचे। यहां प्रभु श्रीरामलला मंदिर व राम दरबार में हाजिरी लगाई, विधिवत आरती उतारी तथा मंदिर की परिक्रमा की। सीएम व रक्षा मंत्री ने देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। प्रतिष्ठा द्वादशी कार्यक्रम में शामिल होने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बुधवार सुबह अयोध्या पहुंचे। यहां महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया। यहां से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हनुमानगढ़ी पहुंचकर संकट मोचन के चरणों में शीश झुकाया। यहां से वे सीधे श्रीराम जन्मभूमि परिसर पहुंचे। यहां प्रभु श्रीरामलला के दरबार में हाजिरी लगाई। इसके उपरांत राम दरबार में भी दर्शन-पूजन कर देश-प्रदेश की उन्नति और जनकल्याण के लिए प्रार्थना की। रक्षा मंत्री व मुख्यमंत्री ने श्रीराम की जयघोष व मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजन कर मां अन्नपूर्णा मंदिर के शिखर पर धर्मध्वजा का आरोहण किया।

दर्शन-पूजन के पश्चात रक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री मंदिर से बाहर निकले तो श्रद्धालुओं ने जय श्रीराम के जयघोष के साथ उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाथ हिलाकर जनता का अभिवादन स्वीकार किया और बच्चों को स्नेहपूर्वक आशीर्वाद दिया। पूरे परिसर में भक्ति और उत्साह का वातावरण बना रहा। इससे पहले सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "भारत की चेतना के उत्कर्ष की साक्षी बन रही श्री अयोध्या नगरी में आज प्रभु श्री रामलला के नूतन विग्रह के प्राण-प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ का पावन दिन है।

हजारीबाग में दनादन चली गोलियां, विस्थापित नेता दसई मांझी के घर पर हमला

हजारीबाग : जिला में खौफनाक घटना सामने आई है। यहां के उरीमारी थाना क्षेत्र में आदिवासी छात्र संघ के बड़कागांव प्रखंड अध्यक्ष सह बिरसा परियोजना के विस्थापित नेता दसई मांझी के घर बुधवार की अलसुबह साढ़े 4 बजे गोलीबारी हुई है। इससे उनके हेसाबेड़ा बस्ती में दहशत का माहौल है। घटना को राहुल दुबे गैंग ने रंगदारी के लिए अंजाम दिया है। नकाबपोश अपराधियों ने 6-7 राउंड गोलीबारी के बाद गैंग की ओर से एक पर्चा भी घर में फेंका गया है। घटना की सूचना मिलते ही उरीमारी थाना प्रभारी रत्थू उरांव सदलबल मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल से कारतूस का खोंखा और पर्चा जब्त किया है। इस घटना के बाद पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। बताया गया कि अभी हाल के दिनों में क्षेत्र के बड़े व्यवसायियों और कोयला कारोबारियों को रंगदारी के लिए फोन कॉल आ रहा है।

सरकार की बड़ी घोषणा, एक जनवरी से कुछ अंतरराष्ट्रीय पत्र डाक सेवाओं में होगा बदलाव

नई दिल्ली । डाक विभाग ने कुछ अंतरराष्ट्रीय पत्र डाक सेवाओं में बदलाव करने की घोषणा की है। इसके तहत खासकर उन सेवाओं में बदलाव किया गया है, जिनमें ट्रैकिंग की सुविधा नहीं है या बहुत कम है। इसके साथ ही ज्यादा बेहतर, भरोसेमंद और ग्राहक-केंद्रित सेवाओं को बढ़ावा दिया जाएगा। दुनिया भर में अपनाई जा रही अच्छी प्रक्रियाओं और यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन (यूपीयू) के फैसलों के अनुसार, डाक विभाग ने अंतरराष्ट्रीय पत्र डाक सेवाओं को आधुनिक और मजबूत बनाने के लिए यह कदम उठाया है। इसी के तहत 1 जनवरी, 2026 से विदेश भेजी जाने वाली कुछ अंतरराष्ट्रीय पत्र डाक सेवाओं को बंद किया जाएगा।इसमें रजिस्टर्ड स्मॉल पैकेट सेवा शामिल है।

इसके तहत आउटवर्ड स्मॉल पैकेट सेवा आती है, जिसमें समुद्र, एसएएल या हवाई मार्ग से भेजे जाने वाले सामान वाले पत्र को शामिल किया जाता है। वहीं, सरफेस लेटर मेल सेवा तथा सरफेस एयर लिफ्टेड (एसएएल) लेटर मेल सेवा को भी बंद किया गया है, जो बाहर भेजे जाने वाले पत्रों के लिए थीं।

संचार मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह कदम इसलिए उठाया गया है क्योंकि स्मॉल पैकेट सेवाओं में ट्रैकिंग की सुविधा बहुत कम या बिल्कुल नहीं होती, डिलीवरी में ज्यादा समय लगता है, दूसरे देशों में कस्टम और सुरक्षा नियम सख्त हो गए हैं और कई विदेशी डाक विभाग ऐसे पैकेट स्वीकार नहीं कर रहे हैं।

मंत्रालय ने यह भी कहा कि यह बदलाव सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने के लिए किया गया है और इससे निर्यातकों या ग्राहकों के विकल्पों पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

इन बदलावों के बाद केवल दस्तावेजों के लिए रजिस्ट्रेशन सुविधा जारी रहेगी, जो हवाई मार्ग से भेजे जाएंगे। इनमें पत्र, पोस्टकार्ड, प्रिंटेड पेपर, एरोग्राम, ब्लाइंड लिटरेचर और एम-बैग शामिल हैं।

डाक विभाग ने बताया कि ब्लाइंड लिटरेचर और एम-बैग से जुड़े यूपीयू के नियम पहले की तरह ही लागू रहेंगे। नेत्रहीन व्यक्ति या उनके संगठनों को भेजी जाने वाली ब्लाइंड लिटरेचर पर डाक शुल्क नहीं लगेगा, केवल हवाई शुल्क लग सकता है, और वह भी गंतव्य देश के नियमों के अनुसार।

एम-बैग पर भी यूपीयू के नियम लागू रहेंगे, जिनमें वजन सीमा और देश के अनुसार स्वीकार करने की शर्तें शामिल हैं। निर्यातकों, एमएसएमई और आम ग्राहकों की मदद के लिए डाक विभाग पहले से ही विदेश में सामान भेजने के लिए भरोसेमंद विकल्प उपलब्ध करा रहा है। ग्राहकों को इंटरनेशनल ट्रैक्ड पैकेट सर्विस (आईआईपीएस) और अन्य अंतरराष्ट्रीय पार्सल सेवाओं का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

समाचार सार

गुरुकुल पिपरवार बीसीए ए को 57 रन से हराकर बना विजेता

चतरा : गिद्धौर प्रखंड मुख्यालय के जवाहरलाल स्टेडियम में जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वाधान में खेले जा रहे लीग मैच का फाइनल मुकाबला मंगलवार को गुरुकुल पिपरवार बनाम बीसीए ए के बीच खेला गया। टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए गुरुकुल पिपरवार ने 25 ओवर में 262 रन बनाया।गुरुकुल पीपरवार की ओर से बल्लेबाजी करते हुए विक्रांत ने 20 गेंद में 57, पंकज कुमार ने 25 गेंद पर 54 और विकास कुमार ने 46 रन का महत्वपूर्ण योगदान दिया। वहीं बीसीसी ए की ओर से गेंदबाजी करते हुए चंदन कुमार, विकास कुमार व बलवंत ने तीन-तीन विकेट लिया। जवाबी पारी खेलने उतरी बीसीए ए के टीम 205 रन ही बना पाई। इस प्रकार गुरुकुल पिपरवार,बीसीए ए को 57 रन से हराकर चैंपियन बना। बीसीए ए की ओर से बल्लेबाजी करते हुए यश कुमार ने शानदार 71 रन व शुभम ने 40 रन बनाया। इस मैच में मैन ऑफ द सीरीज शुभम कुमार को दिया गया। जबकि मैन ऑफ द मैच पंकज कुमार को मिला। मैच के पश्चात विजेता व उपविजेता टीम को पुरस्कृत किया गया। मौके पर सांसद प्रतिनिधि सत्येंद्र कुमार दांगी, जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सह सचिव आशुतोष भारती, कोषाध्यक्ष सरोज सिन्हा, संतोष कुमार निराला सहित खेल प्रेमी मौजूद थे।

अपर समाहर्ता ने किया ऑन द स्पॉट कई समस्याओं का समाधान

देवघर : जिले के अपर समाहर्ता हीरा कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। साथ ही मौके पर जिलास्तर के सभी अधिकारी व कर्मी उपस्थित थे, ताकि ऑन द स्पॉट समस्याओं का समाधान संबंधित विभाग द्वारा किया जा सके। इसके अतिरिक्त जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में भू-अर्जन व मुआवजा भुगतान से संबंधित, अनुकम्पा, बिजली बिल माफी, झारखण्ड मुख्यमंत्री मईंया सम्मान योजना, फसल बीमा योजना, भू-राजस्व, पेंशन, आवास से जुड़े मामलों को अपर समाहर्ता के समक्ष रखा। साथ ही अपर समाहर्ता द्वारा वहां उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएँ सुनी गयी एवं आश्वस्त किया गया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जाँच कराते हुए जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जाएगा।

इसके अलावे जनता दरबार के दौरान विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आये, जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएँ को सुनने के पश्चात अपर समाहर्ता श्री कुमार ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निदेशित किया गया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए, उसका समाधान जल्द से जल्द करें। इसके अलावे उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह के अंदर अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करें, ताकि शिकायतों के निष्पादन की निगरानी की जा सके। जनता दरबार में जिला प्रभारी पदाधिकारी जन शिकायत कोषांग ओम प्रियदर्शी एवं संबंधित विभाग के अधिकारी व कर्मी आदि उपस्थित थे।

गांवों के घने जंगलों को बेदर्दी से उजाड़ रहे हैं लोग, वन विभाग मौन

चतरा : गिद्धौर प्रखंड के विभिन्न जंगली क्षेत्रों में जहाँ एक ओर वन एवं पर्यावरण विभाग द्वारा पौधे लगाने की तैयारी की जा रही है।वहीं दूसरी ओर प्रखंड अंतर्गत बारियातू पंचायत के जंगलों में इन दिनों अवैध लकड़ी कटाई का खेल खुलेआम चल रहा है। हैरानी की बात यह है कि पर्यावरण संरक्षण को लेकर सरकार जहां करोड़ों रुपये खर्च कर पौधरोपण, जंगल बचाओ अभियान और हरियाली बढ़ाने की योजनाएं चला रही है, वहीं दूसरी ओर गांवों के सघन जंगलों को बेदर्दी से उजाड़ा जा रहा है।मामला बरियातू पंचायत के गांगपुर गांव का है, जहां दतुआ आहर के समीप स्थित जंगल में दर्जनों सखुआ (साल) के हरे-भरे पेड़ों को काटकर तस्करों द्वारा धड़ल्ले से ले जाया जा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार,कई पेड़ों को काटकर जंगल में ही छोड़ दिया गया है, जिससे साफ जाहिर होता है कि कटाई पूरी तरह अवैध और योजनाबद्ध तरीके से की जा रही है। इससे न सिर्फ वन संपदा को भारी नुकसान पहुंच रहा है, बल्कि पर्यावरण संतुलन पर भी गंभीर खतरा मंडरा रहा है।ग्रामीणों का कहना है कि प्रत्येक पंचायत में जंगलों की देखरेख के लिए कैटल गार्ड की बहाली की गई है, ताकि वन संपदा की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इसके बावजूद इस तरह की घटनाएं सामने आना वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। लोगों का आरोप है कि वनकर्मियों की चुप्पी से लकड़ी माफियाओं के हौसले बुलंद हैं।अवैध कटाई के कारण जंगल क्षेत्र में वन्यजीवों का प्राकृतिक आवास भी प्रभावित हो रहा है। साथ ही, भविष्य में जल संकट और मिट्टी कटाव जैसी समस्याएं और गहराने की आशंका जताई जा रही है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और वन विभाग से अविलंब कार्रवाई की मांग की है, ताकि जंगलों को बचाया जा सके और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई हो।यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगी, तो आने वाले दिनों में बरियातू के जंगल केवल नाम मात्र के रह जाएंगे।

यूथ कांग्रेस के नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने माता भद्रकाली के दरबार में टेका मत्था

चतरा : यूथ कांग्रेस के संगठनात्मक चुनाव के परिणाम आने के बाद पार्टी कार्यकताओं में भारी उत्साह है।नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष सुमित कुमार के नेतृत्व में युवाओं की टोली ने मंगलवार को शहर में अपना दम दिखाया। बाबा साहेब अंबेडकर को नमन करने के बाद यह काफिला सीधे माता भद्रकाली के आशीर्वाद के लिए निकल पड़ा। चतरा यूथ कांग्रेस के चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष सुमित कुमार का जोरदार स्वागत किया गया। कार्यकताओं ने शहर में भव्य विजय जुलूस निकाला और बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस मौके पर सुमित कुमार ने अपनी नई टीम के सदस्य अरुण कुमार यादव, गौतम कुमार और रवि भारद्वाज का परिचय कराया। मीडिया से बातचीत में सुमित कुमार ने साफ किया कि उनकी प्राथमिकता संगठन की मजबूती है। उन्होंने कहा कि पुराने गिले-शिकवे भुलाकर नए साल में नई ऊर्जा के साथ पार्टी को बूथ स्तर तक सशक्त बनाया जाएगा।

सामाजिक कुरीति निवारण एवं बाल विवाह मुक्त झारखंड विषय पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

संवाददाता

201

चतरा। समाज में व्याप्त सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन तथा बाल विवाह मुक्त झारखण्ड के लक्ष्य को साकार करने के उद्देश्य से मंगलवार, को सामाजिक कुरीति निवारण योजना, राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, बाल विवाह मुक्त झारखण्ड अभियान एवं मिशन शक्ति योजना से संबंधित अनुमंडल स्तरीय एक दिवसीय प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला का आयोजन जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट सह प्रशिक्षण भवन हॉल, चतरा में किया गया।कार्यशाला का उद्घाटन पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। अतिथियों का स्वागत महिला पर्यवेक्षिकाओं द्वारा पौधा भेंट कर किया गया।

इस अवसर पर उपायुक्त श्रीमती कीर्तिश्री जी ने उपस्थित सभी प्रतिभागियों को बाल विवाह मुक्त झारखण्ड की शपथ दिलाई। उपायुक्त कृतिश्री जी ने कहा कि जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए सभी हितधारकों को एक मंच पर एकजुट देखना अत्यंत प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि ली गई शपथ को सभी अपने जीवन में उतारेंगे तथा यह सुनिश्चित करेंगे कि जिले में एक भी बाल विवाह न हो।जिला परिषद अध्यक्ष ममता कुमारी ने अपने संबोधन में कहा कि बाल विवाह एवं डायन प्रथा गंभीर सामाजिक बुराइयाँ हैं, जिनके विरुद्ध समाज को एकजुट होकर खड़ा होने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि ये कुप्रथाएँ न केवल सामाजिक रूप से घातक हैं, बल्कि कानून की दृष्टि से भी दंडनीय अपराध हैं।कार्यशाला में राज्य से प्रतिनियुक्त परामर्शदाता गौतम कुमार तथा संसाधन व्यक्तियों अविनाश कुमार एवं प्रियंका रानी द्वारा बाल विवाह एवं डायन प्रथा से संबंधित कानूनी प्रावधानों तथा राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रतिभागियों को दी गई।कार्यक्रम के दौरान जिला समाज कल्याण पदाधिकारी रेणु रवि ने उपस्थित अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि बाल विवाह उन्मूलन हेतु केंद्र सरकार द्वारा सौ दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विवाह हेतु बालिकाओं की न्यूनतम आयु 18 वर्ष तथा बालकों की 21 वर्ष निर्धारित है। इससे कम आयु में विवाह कराना कानूनन अपराध है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह मुक्त भारत का निर्माण तभी संभव है, जब प्रत्येक जिला बाल विवाह मुक्त बने। साथ ही डायन प्रथा जैसी सामाजिक कुप्रथाओं के निवारण हेतु जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित किया।कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन प्रखंड विकास पदाधिकारी, कुंदा द्वारा किया गया। इस मौके पर सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, मुखियागण, आंगनवाड़ी सेविकाएँ, शिक्षकगण, स्वयं सहायता समूह की सदस्य, सहिया दीदी एवं जिला समाज कल्याण विभाग के कर्मी उपस्थित थे।

कवि सम्मेलन के साथ 7वां लिटरेचर फेस्टिवल रांची में हुआ संपन्न

सुप्रसिद्ध कवियत्री डॉ संध्या रानी की शानदार व्यंग्य प्रस्तुति सावधान यहां इंसान है, इनसे कुत्ते भी परेशान हैं ।

संवाददाता

रांची/चतरा : वाईबीएन यूनिवर्सिटी रांची के सभागार में 29 दिसंबर लिट्रेरचर विद नेचर के साथ 7 वा लिट्रेरचर फेस्टिवल 2025 संपन्न हुआ। पारसनाथ इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ट्रस्ट के संस्थापक गृह मंत्रालय भारत सरकार पुलिस अधिकारी डॉ सुरेश प्रियदर्शी के दिशा निर्देशन और विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ रामजी यादव के सानिध्य में सुप्रसिद्ध कवियत्री डॉ संध्या रानी की स्वरचित स्वस्वर सरस्वती प्रार्थना गीत के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई। झारखंड के 24 जिलों से आये काव्य हृदय और कंटेंट क्रिएटर्स के अनूठे समागम में कविता, गीत, गजल ,छंद और हास्य व्यंग के मनमोहक सुभाष से पूरा परिसर सुभाषित होता रहा। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो का शुभ आगमन

और उनके वक्तव्य ने इस फेस्टिवल को और ही खूबसूरत बना दिया। खेल के क्षेत्र में उनके अभिरुचि को हर किसी ने देखा है पर साहित्य के क्षेत्र में उनकी इतनी अभिरुचि साहित्यकारों के लिए बहुत ही सुखद रहा। उन्होंने अपने वक्तव्य में इस बात पर जोर दिया कि यदि अच्छे परिष्कृत समाज को आगे लाना है तो साहित्य को आगे लाना ही होगा। शिक्षा के माध्यम से समाज के उत्थान में प्रतिपल में जुटे रामजी यादव एवं उनका पूरा परिवार का संकल्पित उद्देश्य नई पीढ़ी को नई दिशा देते हुए नजर आई जो अपने आप में अनुकरणीय रहा। पूरे कार्यक्रम में जोहार दर्पण पत्रिका की पूरी टीम छाई रही।अध्यक्ष पंकज कुमार दास,सह संपादिका डॉ संध्या रानी के साथ-साथ सुप्रिया रश्मि, संजय हजारीबाग, ज्योति जी के साथ-साथ अन्य सदस्य भी मौजूद रहे। संजय हजारीबागी जी के दोहे वाली पंक्तियों में पूरा रांची दर्शन हुआ तो सुप्रिया रश्मि जी की पंक्तियां श्रृंगार को समर्पित रही। पंकज जी के चलो गुनगुनायें पंक्तियों ने सभा को पूरा झुमाया। वही डॉ संध्या रानी की पंक्तियों ने हास्य और व्यंग्य से पूरी सभा को हंसाया और विचारणीय भी बनाया। चतरा जिले के उभरते कवि सोनू कृष्णन ने भी अपने काव्य पाठ से लोगों का दिल जीता। झारखंड के जाने माने कवि उत्तम लयकार जी के गीतों ने उपस्थित साहित्यकारों के दिल में जगह बनाई। कवि विशाल पंडित जी के सम्पूर्ण संचालन में इस फेस्टिवल का आयोजन बहुत ही शानदार रहा। इस आयोजन की सफलता में उनका बहुत बड़ा योगदान रहा जो सचमुच सराहनीय है। ममता जी के मंच संचालन में यह आयोजन पूर्ण हुआ। इस आयोजन में आमंत्रण और सम्मान के लिए पीआईयू ट्रस्ट की पूरी टीम को धन्यवाद प्रेषित की गई।

जनता दरबार का आयोजन, समस्याओं का त्वरित संज्ञान, समाधान के दिए गए निर्देश

चतरा : जिला प्रशासन द्वारा आमजनों से सीधा संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से मंगलवार को समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएँ उपायुक्त श्रीमती कीर्तिश्री के समक्ष रखीं।जनता दरबार के दौरान भूमि विवाद, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, स्वास्थ्य सेवाएँ, शिक्षा विभाग सहित अन्य प्रशासनिक विषयों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। उपायुक्त ने प्रत्येक मामले को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि प्राप्त आवेदनों का निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजनों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

उपायुक्त ने कहा कि जनता दरबार आम नागरिकों को अपनी समस्याएँ सीधे प्रशासन तक पहुँचाने का एक सशक्त माध्यम है और इसका उद्देश्य त्वरित समाधान के साथ प्रशासन पर जनविश्वास को और मजबूत करना है।उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन द्वारा प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को पूर्वाह्न 11:30 बजे से अपराह्न 12:30 बजे तक नियमित रूप से जनता दरबार का आयोजन किया जाता है। जिला प्रशासन ने आमजनों से अपील की है कि वे निर्धारित समय पर उपस्थित होकर इस व्यवस्था का अधिक से अधिक लाभ उठाएँ।

चतरा जिला के ताइक्वांडो खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर फहराया परचम

चतरा : चतरा जिला के ताइक्वांडो खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर तीन पदक, एक गोल्ड दो सिल्वर जीतकर पूरे देश में चतरा का नाम रौशन किया है। 27 से 29 दिसंबर 2025 तक गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल बोकारो सिटी में ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के द्वारा आयोजित तीन दिवसीय प्रथम दिशाम गुरु शिबू सोरेन ओपन महिला राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में चतरा जिला के चार खिलाड़ियों ने भाग लिया था। जिसमें खिलाड़ियों ने सफलता अर्जित करते हुए तीन पदक प्राप्त किए। रितिका कुमारी को स्वर्ण पदक ,रजत पदक पर डोली कुमारी और प्रियांशी कुमारी को रजत पदक मिले।चतरा जिला के इस उपलब्धि पर चतरा जिला के खेल पदाधिकारी कैलाश राम, चतरा जिला ताइक्वांडो संघ के संरक्षक पंकज कुमार प्रजापति, अध्यक्ष चंद्रेश शर्मा, उपाध्यक्ष प्रकाश कुमार, सचिव उमेश कुमार,संयुक्त सचिव सुजीत कुमार, संयुक्त सचिव रामप्रकाश,कोषाध्यक्ष शंभू कुमार, कोच रितेश कुमार, मैनेजर विक्की कुमार दास, सदस्य राखी कुमारी, विशाल प्रजापति, प्रत्यूष कुमार,अवध किशोर राणा, पूनम कुमारी, बिहारी कुमार भारती, राहुल कुमार,चतरा जिला ओलंपिक संघ के सचिव राकेश सिंह, कोषाध्यक्ष जितेंद्र चंद्रवंशी,संघ के सभी पदाधिकारी एवं खेल प्रेमियों ने ढेर सारी शुभकामनाएं दी है।

चतरा सदर थाना क्षेत्र के पोस्ट ऑफिस चौक पर वाहन जांच अभियान

चतरा : पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सदर थाना पुलिस द्वारा पोस्ट ऑफिस चौक पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान सदर थाना के फिरदौस नाज ने बताया कि वरीय अधिकारी के आदेशानुसार यह जांच अभियान संचालित किया जा रहा है।जांच के क्रम में बिना हेलमेट, ट्रिपल लोडिंग, वाहन की डिक्की में रखे सामान समेत अन्य कागजातों की गहन जांच की गई। उन्होंने बताया कि फिलहाल नियम उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों को चेतावनी देकर छोड़ा जा रहा है, ताकि लोग आगे से हेलमेट का प्रयोग करें और ट्रिपल लोडिंग से बचें।फिरदौस नाज ने कहा कि शहर में गतिविधियों पर और सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए सभी प्रमुख चौक-चौराहों पर लगातार एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करना और अपराध पर नियंत्रण पाना है। पुलिस ने आम नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है।

विधायक जनार्दन पासवान ने लगाया जनता दरबार, सुनी फरियादियों की समस्या

जनता दरबार में भूमि विवाद के आए सर्वाधिक मामले

संवाददाता

चतरा : जन समस्याओं के समाधान करने के लिए चतरा विधायक जनार्दन पासवान ने हंटरगंज प्रखंड सह अंचल कार्यालय सभागार में मंगलवार को जनता दरबार लगाया। विधायक द्वारा विभिन्न मामले को संबंधित विभागों के अधिकारियों को समाधान करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में खासकर पेयजल जल की समस्या, राशन, जाति आवासीय,बिजली,पैक्स गोदाम,भूमि विवाद के मामले सामने आयें। सबसे अधिक जमीन संबंधित मामले पहुंचे।समस्या को लेकर विधायक ने अंचल सीआई को नियम संगत जल्द से जल्द समस्या को निष्पादन करने का निर्देश दिया। जाति आवासीय प्रमाण पत्र निर्गत में हुए देरी पर विधायक ने नाराजगी जताई। इस दौरान प्रखंड के दर्जनों किसान

फरियादी विधायक के समक्ष पैक्स गोदाम की लापरवाही की समस्या सुनाई, उन्होंने कहा कि पैक्स गोदाम में जगह कम रहने की हवाला दिया जा रहा है, जिससे किसान परेशान हैं। जिसके बाद विधायक ने किसानों की समस्याओं को निष्पादन हेतु तुरंत उपायुक्त से संपर्क साधा और किसानों की समस्याओं को अवगत कराएं।जिसमें विधायक श्री पासवान ने कहा कि अफसर की लापरवाही किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आम जनता को बेफिजूल दौड़ाया न जाए।। मौके पर प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी निरंजन कुमार सिंह ,प्रधान सहायक सुखराम उरांव ,जावेद कुमार,अंचल निरीक्षक राजनंदन चौधरी, अंचल प्रधान सहायक प्रदीप कुमार, पशुपालन चिकित्सा पदाधिकारी रेहान कुमार,विधायक प्रतिनिधि रौशन कुमार सिंह,मंडल अध्यक्ष अरुण कुमार चौरसिया, भाजयुमो मंडल अध्यक्ष गुंजीत कुमार सिंह,नागेंद्र यादव,नंदू यादव ,प्रेम किशोर सिंह ,अप्पू कुमार आर्य ,शेखर सिंह ,दिनेश दास,कौशल मिश्रा, प्रखण्ड के सभी पंचायत सचिव , रोजगार सेवक आदि सैंकड़ों ग्रामीण लोग उपस्थित थे।

आमने-सामने की टक्कर में चार घायल,एक की हालत गंभीर

चतरा : जिले के लावालौंग थाना क्षेत्र के लावालौंग पंचायत अंतर्गत सोहावन मोड़ के पास सोमवार को दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने हुई जोरदार टक्कर में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।हादसा इतना भीषण था कि टक्कर के बाद दोनों मोटरसाइकिलों पर सवार लोग सड़क पर दूर जा गिरे। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रखंड क्षेत्र के मालीगांव का एक युवक लावालौंग मेला देखने आया था। मेला देखकर वह वापस लौट रहा था।इसी दौरान कुंदा की ओर से तेज रफ्तार में आ रही दूसरी मोटरसाइकिल से उसकी बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर के कारण दोनों मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त हो गईं और सवार गंभीर रूप से घायल हो गए।इस दुर्घटना में एक 8 वर्षीय बच्चा समेत कुल चार लोग बुरी तरह जख्मी हो गए। रास्ते से गुजर रहे भोला यादव एवं मुकेश यादव ने तत्परता बढ़ाते हुए इसकी जानकारी पत्रकारों को दी। सूचना मिलते ही पत्रकारों ने लावा लॉन्ग थाना और स्वास्थ्य विभाग को जानकारी दी। जानकारी पाते ही थाना के एसआई विधायक प्रसाद यादव एवं मुंशी घटनास्थल पर पहुंचे और अपने ही वाहन से घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घायलों में से एक व्यक्ति के पैर की हड्डी बाहर निकल गई।

नए साल से पहले राजधानी में सख्ती, ड्रंक एंड ड्राइव और एंटी क्राइम चेकिंग एक साथ

संवाददाता

रांचीः नए साल के स्वागत की तैयारियों के बीच राजधानी रांची में सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के लिए मंगलवार रात पुलिस ने पूरे शहर में एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया। रांची के रूरल एसपी, ट्रैफिक एसपी, सिटी एसपी सहित तमाम डीएसपी और थानेदारों ने इस अभियान में भाग लिया।

पूरे शहर में एक साथ अभियान : यह विशेष अभियान वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राकेश रंजन के निर्देश पर जिला भर में एक साथ संचालित किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नए साल के जश्न के दौरान किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोकना और शहर में कानून-व्यवस्था की स्थिति को पूरी तरह नियंत्रण में रखना रहा।

अलग-अलग इलाकों में तैनाती, वरिष्ठ अधिकारियों ने संभाली कमान : रांची पुलिस ने शहर के मुख्य चौराहों, बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में अचानक वाहन जांच और संदिग्ध व्यक्तियों की तलाशी की। इस अभियान की निगरानी खुद सीनियर पुलिस अधिकारियों सहित डीएसपी और थाना प्रभारियों ने की। चेकिंग देर रात तक विभिन्न थाना क्षेत्रों- मोरहाबादी, हटिया, चुटिया, कोकर, बरियातू और पांडरा में जारी रही। पुलिस के जवानों ने न सिर्फ वाहनों की सघन जांच की, बल्कि होटलों, पब्स और रेस्टोरेंट्स के आसपास भी विशेष सतर्कता रखी गई।

ड्रंक एंड ड्राइव : राजधानी रांची में ड्रंक एंड ड्राइव के मामले सामने ना आए इसे लेकर ट्रैफिक तस्वीर राकेश सिंह खुद सड़कों पर उतरे। एक तरफ ट्रैफिक एसपी अपने अफसर के साथ ड्रंक एंड ड्राइव को लेकर चेकिंग अभियान चलाते रहे। वहीं दूसरी तरफ और रूरल एसपी प्रवीण पुष्कर ने एंटी क्राइम चेकिंग की कमान संभाले रखा। इस दौरान शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर विशेष नजर रखी और ड्रंक एंड ड्राइव के मामलों में मौके पर कार्रवाई की है।

ड्रंक एंड ड्राइव पर शून्य सहिष्णुता नीति : ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह के निर्देश पर इस बार ड्रंक एंड ड्राइव मामलों में किसी तरह की ढिलाई नहीं बरती जा रही है। पुलिस ने मंगलवार रात दर्जनों वाहनों की जांच की और कई चालकों के अल्कोहल स्तर की जांच ब्रेथ एनालाइजर से की गई। ट्रैफिक एसपी ने स्पष्ट किया है कि जो भी चालक शराब सेवन की स्थिति में वाहन चलाते पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पिकनिक स्पॉट्स और होटलों में सुरक्षा बल तैनात : नए साल के अवसर पर पिकनिक स्थलों पर उमड़ रही भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन ने भी सतर्कता बढ़ा दी है। कांके, हटिया डैम, रॉक गार्डन और टाटीसिलवे जैसे लोकप्रिय स्थलों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। इसके अलावा, रांची के प्रमुख होटलों और रेस्त्रां में भी सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ाई गई है ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति का तुरंत संभाला जा सके।

गश्ती पर जोर : एसएसपी ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में गश्ती बढ़ाएं साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों की मदद से निगरानी रखें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई करें। पुलिस प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे नए साल का जश्न जिम्मेदारी से मनाएं। यातायात नियमों का पालन करें और किसी भी आपराधिक या असामाजिक गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

सनातन एकता मंच ने किया महाआरती का आयोजन

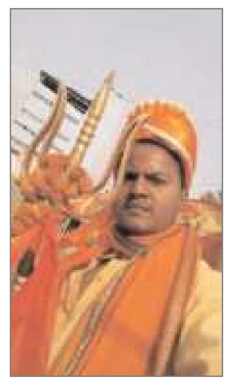

रांची : सनातन एकता मंच झारखंड के तत्वाधान में आज नामकुम क्षेत्र रांची में अयोध्या धाम के पूरे 2 वर्ष पूर्ण होने नामकुम क्षेत्र के कई मंदिरों में सनातन एकता मंच के द्वारा महा आरती का आयोजन किया जा रहा है। सभी सनातनी समाज से रोहित सनातनी ने कहा कि कम से कम आज के दिन अपने घरों में जो मंदिर नहीं जा पाते हैं। अपने घरों में कम से कम प्रभु श्री राम के फोटो में दीप जलाएं।

आईफा इंटरनेशनल नववर्ष 2026 के स्वागत पर किया कार्यक्रम का आयोजन

रांची। आईफा इंटरनेशनल, रांची द्वारा नववर्ष 2026 के स्वागत के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का थीम 2026 में आपका स्वागत है-रीबूट 2026 रखा गया, जिसमें बच्चों और बड़ों ने पूरे उत्साह, जोश और उमंग के साथ नए साल का स्वागत किया। कार्यक्रम स्थल को आकर्षक ढंग से सजाया गया था और सभी प्रतिभागी नए साल के रंग में रंगे नजर आए। बच्चों ने पूरे जोश के साथ कार्यक्रम में भाग लिया और नववर्ष के स्वागत को यादगार बना दिया। इस कार्यक्रम में डायरेक्टर मोहम्मद साबिर हुसैन, सागुफ्ता बानो, हूमायू कबीर, आल्मा हसन सहित सभी छात्र ?छात्राओं ने भी खुले दिल से भाग लिया। नववर्ष के उपलक्ष्य में केक काटा गया तथा सभी के बीच मिठाइयाँ वितरित की गईं। पूरे वातावरण में खुशी, सकारात्मक ऊर्जा और नए संकल्पों की झलक देखने को मिली। आईफा इंटरनेशनल, रांची द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम न केवल मनोरंजन से भरपूर रहा, बल्कि बच्चों में आत्मविश्वास, एकजुटता और नए वर्ष के प्रति सकारात्मक सोच को भी प्रोत्साहित करने वाला सिद्ध हुआ।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 की तैयारी शुरू स्वच्छ रांची के साथ टॉप रैंक का लक्ष्य

रांची। भारत सरकार के स्वच्छ भारत मिशन के तहत हर साल होने वाले स्वच्छ सर्वेक्षण के 10वें संस्करण की शुरूआत की जा रही है। इसी को लेकर 30 दिसंबर 2025 को रांची नगर निगम में एक अहम बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता नगर निगम के प्रशासक सुशांत गौरव ने की। इस बैठक का उद्देश्य रांची शहर की रैंकिंग को बेहतर बनाना और राष्ट्रीय स्तर पर शहर को शीर्ष स्थान दिलाना है। बैठक में सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने मिलकर ह्लमिशनः स्वच्छ रांचीह्व का संकल्प लिया।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 पर खास चर्चा : बैठक में स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 के लिए केंद्र सरकार द्वारा दिए गए टूलकिट और मापदंडों (इंडिकेटर्स) पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रशासक ने सभी अधिकारियों को साफ निर्देश दिए कि स्वच्छता से जुड़े हर पहलू को मजबूत किया जाए।

गार्बेज फ्री सिटी पर जोर : प्रशासक सुशांत गौरव ने कहा कि रांची को गार्बेज फ्री सिटी बनाना हमारा मुख्य लक्ष्य है। इसके लिए उपयोग रीसायकल, टिकाऊ कचरा प्रबंधन और सर्कुलर इकोनॉमी को जमीन पर उतारना जरूरी है।

नागरिकों से अपील : रांची नगर निगम ने शहर के सभी नागरिकों से अपील की है कि वे स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में रांची को देश के टॉप शहरों में शामिल कराने के लिए सहयोग करें और शहर को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाने में अपनी भूमिका निभाएं।

बैठक में ये रहे मौजूद : बैठक में अपर प्रशासक संजय कुमार, उप प्रशासक रविंद्र कुमार, उप प्रशासक गौतम प्रसाद साहू, सभी सहायक प्रशासक, नगर प्रबंधक, सैनिटरी सुपरवाइजर, पीएमसी प्रतिनिधि और नगर निगम के अन्य अधिकारी-कर्मी उपस्थित रहे।

कूड़ा-कचरा उठाव के एवज में चार साल से बकाया रखने वालों पर होगी कार्रवाई

रांची : रांची नगर निगम क्षेत्र में अपशिष्ट उपयोगकर्ता शुल्क की वसूली की कवायद शुरू कर दी गई है। निगम की ओर से 100 बड़े ठोस अपशिष्ट उपयोगकर्ता से बकाया शुल्क की वसूली के लिए अंतिम नोटिस जारी किया गया है। आने वाले सात दिन के अंदर बकाया शुल्क का भुगतान नहीं करने पर ऐसे सभी भवन, होटल, छात्रावास, बैंक्वेट हॉल एवं अन्य सभी प्रकार के व्यावसायिक प्रतिष्ठान के संचालक के विरूद्ध झारखंड नगरपालिका अधिनियम पर दंडात्मक कार्रवाई की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। सूचीबद्ध बड़े बकाएदारों पर वर्ष 2022 में अप्रैल से दिसंबर 2025 तक वेस्ट यूजर चार्ज के तौर पर मोटी रकम बकाया है।

बकाया भुगतान के लिए ऐसे बकाएदारों को पूर्व में लिखित व मौखिक तौर पर कई बार सूचना दी जा चुकी है। इसके बावजूद बकाएदार आग्रह को नजरअंदाज करते रहे हैं। बताया गया कि अभी निगम क्षेत्र में सभी वार्ड का एक एजेंसी के जरिए वेस्ट यूजर चार्ज का भुगतान लिया जा रहा है।

दक्षिण छोटा नागपुर रांची के आयुक्त अंजनी कुमार मिश्रा आज हुए सेवानिवृत्त

विनय मिश्रा

भारतीय प्रशासनिक सेवा 2011 बैच के आईएएस अधिकारी अंजनी कुमार मिश्रा आज सेवा निवृत्त हो गये। श्री मिश्रा ने 27 वें आयुक्त के रूप में 12 मार्च 2024 को पदभार ग्रहण किया था और इस प्रकार से उन्होंने दक्षिण छोटा नागपुर में आयुक्त के रूप में 21 माह तक अपने बेहतर कार्यप्रणाली और अपने अधीनस्थ कार्यों का सुचारू रूप से निष्पादन करने के फलस्वरूप सफल और कामयाब आयुक्त के रूप में अपनी सशक्त पहचान बनाई।उनकी बेहतर कार्य दक्षता और अनुभव के फलस्वरूप उन्हें पलामू प्रमंडल के आयुक्त का भी प्रभार मिला था तथा वे डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी यूनिवर्सिटी के कुलपति भी बनाए गए जो सेवा काल तक यथावत रहा। श्री मिश्रा आज भले ही सेवानिवृत्त हो गए किन्तु उनके किए गए कार्यों के फलस्वरूप वे झारखंड के सफलतम आईएएस अधिकारी के रूप में पहचान बनाने में सफल रहे उनकी कर्मठता और उपलब्धि राज्य के लिए भी गौरव की बात है। ऐसे आईएएस अधिकारी से विभाग और राज्य दोनों गौरवान्वित होते हैं।

श्री श्याम मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

संवाददाता

रांची : अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मंदिर में मंगलवार को पुत्रदा एकादशी उत्सव आयोजित किया गया। आज वर्ष 2025 की अंतिम एकादशी पर प्रातः से ही भक्तों की भारी भीड़ श्री श्याम प्रभु का दर्शन करने के लिए उमड़ पड़ी।

इस अवसर पर श्री श्याम प्रभु को सुंदर नवीन वस्त्र (बागा) पहनाकर स्वर्ण आभूषणों से अलंकृत कर गुलदाऊदी, रजनीगंधा , गुलाब एवं तुलसी दल की मालाओं से अत्यंत मनमोहक श्रृंगार किया गया साथ ही मन्दिर में विराजमान बजरंगबली एवं शिव परिवार का भी इस अवसर पर विषश श्रृंगार किया गया।

रात्रि 9 बजे से श्री श्याम प्रभु के जयकारों की बीच पावन ज्योत प्रज्वलित कर श्री श्याम मण्डल के सदस्यों द्वारा भावपूर्ण संकीर्तन प्रारम्भ किया गया । इस अवसर पर श्री श्याम प्रभु को विभिन्न प्रकार के मेवा - फल - खीर चूरमा व केसरिया दूध का भोग अर्पित किया गया। रात्रि 12 बजे महाआरती व प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में ओम जोशी, रमेश सारस्वत, चन्द्र प्रकाश बागला, धीरज बंका, मनोज ढांढणनीयां, गौरव परसरामपुरिया, नितेश केजरीवाल, नितेश लाखोटिया, विकाश पाडिया, प्रियांश पोद्दार का सहयोग रहा।

श्री श्याम निशान अमृत महोत्सव 30 जनवरी से

रांची : श्री श्याम परिवार रांची की ओर से आयोजित तीन दिवसीय श्री श्याम निशान अमृत महोत्सव की घोषणा की गई है। यह महोत्सव 30, 31 जनवरी और एक फरवरी 2026 को श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर एवं दुगार्बाड़ी मेन रोड रांची में आयोजित किया जाएगा। महोत्सव के संयोजक पवन लोहिया एवं सह-संयोजक पवन जालान एवं पंकज मटोलिया को नियुक्त किया गया है। अध्यक्ष श्रवन जालान एवं महामंत्री मंटू जालान ने कार्य समिति का गठन किया है। इस अवसर पर महोत्सव के पोस्टर का विमोचन किया गया। इसमें कमल जालान, पवन लोहिया, निरंजन लाल तोदी, पवन शर्मा, राजेश शर्मा, विमल झनझुनवाला, मुकेश दिनोदिया, रोहित चांगल, राजेश जालान आदि सदस्य उपस्थित थे।

कार्यक्रम के बारे में जयदीप राज ने बताया कि प्रभु श्री श्याम के आशीर्वाद से श्री श्याम परिवार अपना श्री श्याम निशान अमृत महोत्सव-2026 खूब हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।

वेतन संकट से एचईसी कर्मियों का भविष्य हुआ अंधकारमय : लालदेव

रांची : हैवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन (एचईसी) के कर्मचारियों के वेतन संकट को लेकर हटिया कामगार यूनियन (एटक) ने प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाया है। यूनियन के उपाध्यक्ष लालदेव सिंह ने मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि वर्तमान एचईसी निदेशक ने योगदान देने के समय कर्मचारियों को आश्वासन दिया था कि तीन माह काम किया जाए तो तीन माह में वेतन नियमित कर दिया जाएगा। इस भरोसे पर कर्मचारियों ने पूरी निष्ठा से काम भी किया, लेकिन परिणाम इसके विपरीत निकला। वेतन कटौती के कारण एचईसी मजदूर कर्मियों का भविष्य अंधकारमय हो चुका है। उन्होंने कहा कि निदेशक के कार्यकाल से पहले कर्मचारियों को कम से कम एक माह का वेतन मिल जाता था, लेकिन उनके आने के बाद यह घटकर मात्र 15 दिन का हो गया। वर्तमान स्थिति यह है कि अधिकारियों का 34 माह और मजदूरों का 29 माह का वेतन बकाया हो चुका है। लालदेव सिंह ने कहा कि कर्मचारियों को उम्मीद थी कि नए साल के अवसर पर वेतन मिलेगा, लेकिन प्रबंधन ने मीडिया के जरिए जिस तरह बयान जारी कर कहा कि पैसा आने पर ही वेतन दिया जाएगा, इससे कर्मचारियों में गहरी निराशा फैल गई है। लालदेव ने आरोप लगाया कि कर्मचारियों की उदासी दूर करने के लिए भिलाई से 100 करोड़ रुपये के कायार्देश मिलने की संभावना की बात कही जा रही है,

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना
उप. मुख्य बिजली इंजी. (कारखाना), उत्तर पश्चिम रेलवे, अजमेर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से नीचे दिए गए कार्य के लिए दी गयी तिथि को 15.00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। 1. निविदा संख्या: EL/50/22/2024-25 RT4; 2. कार्य का नाम व स्थान: Development of POH maintenance facilities for rolling stocks including MEMU and train-set in Carriage Workshop, Ajmer 3. अनुमानित लागत: Rs. 12685946.46/-; 4. बयाना राशि: Rs. 213400/-; 5. ई - निविदा बन्द होने की तिथि एवं समय: 14.01.2026 at 15:00 Hrs. एवं ई-निविदा खोलने की तारीख एवं समय: 14.01.2026 at 15:30 Hrs; 6. वेबसाइट का ब्यौरा, जहां से ई-निविदा कि पूर्ण जानकारी प्राप्त की जा सकती है: www.ireps.gov.in. 1685-AN/25
/NWRailways पर फॉलो करें

रेलवे लाइन से एक व्यक्ति का शव बरामद

रांची। बुढ़मू थाना क्षेत्र के बिंजा छापर के बीच रेलवे लाइन से एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ है। शव की पहचान पतरातु थाना क्षेत्र के हफुवा गांव निवासी 22 वर्षीय इबरार अंसारी के रूप की गई है। युवक की मौत ट्रेन से गिर कर होने की आशंका है। सूचना पर पहुंची बुढ़मू पुलिस ने शव को अपने कब्जे कर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। वहीं पुलिस घटना के छानबीन में जुट गई है।

दुनिया ने जाना किस्मत है मेरी मुझको पता था बाबा कृपा है तेरी...

संवाददाता

रांची : हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में मंगलवार को पौष शुक्ल पक्ष की पुत्रदा एकादशी एवं साल की अंतिम एकादशी पर मंदिर में भक्तों भीड़ देखते ही बन रही थी। पूरा हरमू रोड श्याम प्यारे की जय हारे के सहारे की जय से गूंज रहा था। 5:30 बजे की मंगला आरती में नियमित दर्शन करने वाले दर्शनार्थियों के अलावा ग्यारस में आने वाले श्याम भक्तों की भी भारी भीड़ थी । मंगला आरती के बाद मंड के पर्दे लगाकर बाबा श्याम का अनुपम दिव्य भव्य श्रृंगार किया गया।12.15 बजे विश्राम आरती के बाद 12.30 बजे के उपरांत मंदिर के पट लगा दिए गए। संध्या 4.30 बजे जब मंदिर के पट खुले तो मंदिर में मौजूद काफी संख्या भक्त दर्शन करने के लिए प्रतीक्षा कर रहे थे। एकादशी संकीर्तन का मुख्य कार्यक्रम रात्रि 9:30 बजे से प्रारंभ हुआ। मंडल के उपाध्यक्ष अशोक लड़ियां ने अपने परिवार के साथ बाबा श्याम की अखंड ज्योति प्रज्वलित की। अखंड ज्योति में केसरिया पेडा पंचमेवा प्रसाद फल गिरीगोला रबड़ी एवं मगही पान का भोग लगाकर अपने परिवार की खुशियों की प्रार्थना की। संकीर्तन कार्यक्रम गणेश वंदना से प्रारंभ हुआ । अखंड ज्योत प्रज्वलित होने के बाद आए हुए भक्तों के बीच प्रसाद वितरण प्रारंभ किया गया। मंडल के उपाध्यक्ष अशोक लड़ियां महामंत्री गौरव अग्रवाल मंत्री पंकज गाड़ोदिया विष्णु चौधरी उपमंत्री प्रवीण सिंघानिया प्रचार मंत्री रोहित अग्रवाल कार्यकारणी सदस्य राजेश ढांढनीया ने प्रसाद वितरण का कार्य अन्य सहयोगियों के साथ संनल्ल किया। विशेष श्रृंगार की सेवा एक श्याम भक्त परिवार ने नवीन पोशाक बागा सेवा निवेदित की गई थी।

रंग रंगीलो श्री श्याम फागण अमृत महोत्सव के फ्लैस का विमोचन : फागण महोत्सव में होने वाले रंग रंगीलो श्री श्याम फागन अमृत महोत्सव के फ्लेक्स का विमोचन मंडल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका, उपाध्यक्ष श्रवण ढांढनिया, कोषाध्यक्ष मनोज खेतान, कार्यकारिणी सदस्य श्यामसुंदर शर्मा ने संयुक्त रूप से भक्तों के साथ मिलकर किया। फागण अमृत महोत्सव सह 54 वा श्री श्याम मित्र मंडल का स्थापना दिवस 20 फरवरी से 28 फरवरी तक विभिन्न कार्यक्रमों के साथ बड़े ही धूमधाम से मनाया जाएगा।

इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका, महामंत्री गौरव अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मनोज खेतान , उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया, अशोक लड़ियां, मंत्री पंकज गाड़ोदिया, विष्णु चौधरी, उपमंत्री प्रवीण सिंघानिया, प्रचार मंत्री रोहित अग्रवाल, कार्यकारणी सदस्य श्यामसुंदर शर्मा, राजेश ढांढनीया, रोशन खेमका, उत्सव जालान, उत्कर्ष लोहिया, हेमंत जोशी, तनय काटपाल, एनी सिंह, प्रकाश सरावगी , दिनेश अग्रवाल, किशन शर्मा, लोकेश जालान, सर्वेश अग्रवाल आदि काफी संख्या में श्याम मंदिर में श्याम भक्त उपस्थित हुए । देर रात्रि आरती के बाद मंदिर के पट लगाए गए ।

अनुसूची- I
झारखण्ड सरकार
पिछड़े वर्गों के लिए राज्य आयोग, राँची
विज्ञप्ति संख्या – 666 दिनांक– 30.12.2025
पिछड़े वर्गों के लिए राज्य आयोग, राँची के लिए बाह्य स्रोत से वाहन उपलब्ध कराने हेतु इच्छुक आपूर्तिकर्ता के लिए अल्पकालीन पुनः आवेदन पत्र आमंत्रण सूचना।
वित्त विभाग, झारखण्ड सरकार के संकल्प संख्या–2316 दिनांक–04.10.2024 के क्रम में पिछड़े वर्गों के लिए राज्य आयोग, राँची के लिए बाह्य स्रोत से वाहनों की आपूर्ति किये जाने हेतु निविदा संख्या– 624 दिनांक– 09.12.2025 में एकल निविदा प्राप्त होने के कारण निविदा को रद्द करते हुए पुनः इच्छुक आपूर्तिकर्ताओं का चयन कर वाहन का दर निर्धारण किया जाना है। अतः ऐसे इच्छुक आपूर्तिकर्ता, जो पिछड़े वर्गों के लिए राज्य आयोग, राँची द्वारा निर्धारित शर्तों के अन्तर्गत (Innova Crysta, Hyudai Verna, Honda City, Volkswagen Virtus, Skoda Salavia, Maruti Suzuki Swift Dezire, Honda Amaze, Mahindra Scorpio) वाहन उपलब्ध कराने में सहमत है, से आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदन पत्र जमा करने की अन्तिम तिथि दिनांक– 09.01.2026 है। आवेदन पत्र का प्रारूप एवं शर्तें तथा अन्य विवरण पिछड़े वर्गों के लिए राज्य आयोग, राँची के अधिकारिक वेबसाईट https://www.jharkhand.gov.in/scbc डाउनलोड किये जा सकते है।
ह0/
(के0 के0 सिंह) सदस्य सचिव
PR 369696 State Commision for Backward Classes (25-26)_D पिछड़े वर्गों के लिए राज्य आयोग, राँची

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, लघु सिंचाई प्रमंडल, राँची।
कमरा नं0 302, तृतीय तल्ला, अभियंत्रण भवन, कचहरी चौक, राँची– 834001
ई-मेल – eemidran-cemr-jhr@nic.in, midranchi2018@gmail.com
फोन नं0 – 0651–3512781
पत्रांक................/ राँची, दिनांक ..../......../2025
शुद्धि-पत्र
कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, राँची का पत्रांक– 928 दिनांक–24.12.2025 द्वारा e-Tender Reference No. WRD/MID/04/BD/(SLI) 2025-26, PR 369381 Minor Irrigation (25-26)D दिनांक 25.12.2025 को प्रकाशित निविदा में निम्न प्रकार संशोधन किया जाता है:–

क्रमांक	विवरण	पूर्व में अंकित निविदा का तिथि एवं समय	संशोधित निविदा का तिथि एवं समय
1	Date of Publication of Tender on website	Date: 30.12.2025 up to 2.00 pm	Date: 16.01.2026 up to 2.00 pm
2	Last Date/Time for downloading of bidding documents and Submission of Tender on Website	Date: 05.01.2026 up to 2:00 pm	Date: 22.01.2026 up to 2:00 pm
3	Submission of Tender Fee and EMD	Start Date:- 30.12.2025 up to 2:00 pm Last Date:- 05.01.2026 Time:- 2:00 PM	Start Date:- 16.01.2026 up to 2:00 pm Last Date:- 22.01.2026 Time:- 2:00 PM
4	Technical Bid Opening Date	Date: 06.01.2026 at 5:00 pm	Date 24.01.2026 at 5:00 pm

निविदा की शेष सभी शर्तें पूर्वतः बनी रहेगी।
विश्वासभाजन
कार्यपालक अभियन्ता,
लघु सिंचाई प्रमंडल, राँची।
PR 369708 (Minor Irrigation) 25-26 (D)

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

अरावली पर्वत श्रृंखला : प्राकृतिक धरोहर को संभालना होगा

राजस्थान में अरावली पर्वत श्रृंखला (अरावली की पहाड़ियां) इन दिनों राजनीतिक जंग का मैदान बनी हुई हैं। अरावली को सब अपने-अपने हिसाब से परिभाषित कर रहे हैं। इस पर जबरदस्त विवाद छिड़ा हुआ है। भाजपा कह रही है कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जो ह्यसेव अरावलीह्व कैंपेन चला रहे थे, उन्हीं के कार्यकाल में अरावली 100 मीटर की परिभाषा की सिफारिश की गई थी और हमने वो ही किया। हमें पहले यह समझना चाहिए कि अरावली भारत की रीढ़ है जो चार राज्यों से गुजरती है। यह उत्तर-पश्चिम भारत में लगभग 670 किलोमीटर लंबी मानी जाती है। यह दिल्ली के पास से शुरू होकर दक्षिण हरियाणा और राजस्थान के अंदर तक जाती है और फिर गुजरात में अहमदाबाद के आसपास के मैदानों तक पहुंचती है। भूगोलविद् सीमा जालान बताती हैं कि अरावली 67 करोड़ वर्ष पुरानी पर्वतमाला है और यह नहीं होतीं तो उत्तर भारत की जाने कितनी नदियां नहीं होतीं। जाने कितने जंगल, कितनी वनस्पतियां, कितने बहुमूल्य धातु और कितने इकोलॉजिकल वैभव नहीं होते।

विशेषज्ञों के अनुसार, अरावली केवल जीव-जंतुओं के लिए ही नहीं बल्कि इंसानों के लिए भी जीवनरेखा है। केंद्र सरकार ने 100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाली पहाड़ियों को अरावली घोषित किया है और इस पर उच्चतम न्यायालय ने इस पर अपनी मुहर लगा दी। इसके अलावा हरियाणा सरकार के हस्तक्षेप करने का कारण यह है कि अरावली का लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा उसके अधिकार क्षेत्र में आता है और बाकी हिस्सा राजस्थान में है। कुछ लोग कह रहे हैं कि बीते कई वर्षों से अरावली में चोरी-छुपे खनन हुआ है और 100 मीटर की परिभाषा काकोई औचित्य नहीं है।

कांग्रेस का आरोप है कि देश में प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है, वहीं केंद्र सरकार अरावली जैसी प्राकृतिक दीवार को कमजोर करने का काम कर रही है। उच्चतम न्यायालय में केंद्र सरकार की पैरवी भाजपा शासित चारों राज्यों की सरकारों ने की, जिससे सरकार की मंशा साफ नजर आती है। पहले ही अरावली में बड़े स्तर पर अवैध खनन हो रहा है। बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार हो रहा है, ऐसे में कैसे बचेगी अरावली और कैसे बचेगा पर्यावरण?

यह सब जानते हैं कि कोई भी प्राकृतिक व ऐतिहासिक धरोहर नष्ट या क्षतिग्रस्त अचानक नहीं होती। ऐसा होने में लंबा समय लगता है और यह खुला खेल हमेशा शासन-प्रशासन के सामने ही होता रहा है। शासन-प्रशासन को लगता है कि जनता को कुछ समझ नहीं आ रहा। यह कहने में संकोच नहीं कि अन्य देशों की अपेक्षा पर्यावरण व प्राकृतिक धरोहरों को बचाने व संभालने में हम उतने सक्षम नहीं हैं, जितने की हमें जरूरत हैं। दरअसल बात यह है कि लगातार बढ़ रही जनसंख्या को व्यवस्थित करने के लिए हम पर्यावरण व धरोहरों का विनाश करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। दुनिया के साथ कदम से कदम मिलाते हुए और हाई टेक दुनिया का निर्माण करना गलत नही हैं लेकिन मानव जीवन की सबसे अहम व मूलभूत जरूरत को दरकिनार करके तरक्की करना अपराध सा लगता है। प्रदूषण हमारा सबसे बड़ा दुश्मन बना हुआ है। इसका कारण भी धरोहरों को नष्ट करना है। देश की तरक्की व जनता की जरूरत के लिए ऐसे मुद्दों की गंभीरता न समझना मानव जीवन पर ही भारी पड़ रहा है। मनुष्य की शहरीकरण की भूख ने प्रकृति को इतनी हानि पहुंचा दी कि उसको यह मालूम ही नहीं पड़ा कि वो कब काल के गर्भ में प्रवेश कर गया। यदि महानगरों की जीवनशैली की चर्चा करें तो पिछले दो दशकों कम आयु में होने वाली मौतों के आंकडे ने चौंका दिया। मनुष्य की आयु का घटना लगातार जारी है। इंसान की उम्र करीब 100 वर्ष होती थी लेकिन आज के दौर में साठ साल पर आकर सीमित रह गई। वैज्ञानिकों के अनुसार, लगातार हो रही आपदाओं के लिए प्राकृतिक संसाधनों का बेतहाशा इस्तेमाल जिम्मेदार है। उनका मानना है कि आज हमारी धरती अपने भार से कहीं अधिक भार वहन कर रही है। अगर यही हाल रहा तो अगले कुछ वर्ष बाद ही धरती रहने लायक नहीं बचेगी। मनुष्य अब भी सही राह पर चलने लगो तो वह अपना भविष्य सुधार सकता है। पर्यावरणविद् मानते हैं कि अगर इस परिभाषा को स्वीकार कर लिया जाएगा, तो अरावली के 90 फीसदी इलाके खनन के लिए खुल जाएंगे, जिससे आने वाले समय में समस्या और बढ़ेगी।

दुनिया के लिए बड़ी चुनौती बना पर्यावरण संकट

पिछली डेढ़ शताब्दी, जब से औद्योगिक क्रांति ने विकास की गति तेज की और प्रकृति को जीतने की होड़ मच गई, मशीनों ने बंधक-निर्माण- शक्ति मानव के हाथ में दे दी तब से विकास की परिभाषा भी धीरे-धीरे बदल गई। गुणात्मक जीवन के बजाय बाहुल्य को विकास माना जाने लगा। प्रकृति के साथ दुर्व्यवहार का एक अंतहीन सिलसिला आरंभ हो गया। प्रकृति के दोहन से ही बाहुल्य के लिए सामान बनाए जा सकते थे, इसलिए प्राकृतिक संसाधनों के असीमित दोहन की शुरूआत हो गई। उपनिवेशवाद के दौर में कम मशीनी शक्ति वाले देशों पर तथाकथित विकसित देशों द्वारा कब्जे किये गए और उनके संसाधनों को बेदर्दी से नष्ट किया गया। सभ्य कहलाने वाले देशों द्वारा कमजोर देशों के मूल निवासियों को किस तरह प्रताड़ित किया गया और उनकी सभ्यताओं को असभ्य घोषित करके नष्ट करने का कार्य किया गया, वह अपने आप में घिनौना इतिहास है, जिसके अवशेष अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासियों के रूप में देखे जा सकते हैं। किन्तु यह आधुनिक सभ्यता अब अपने ही भार से भस्मासुर की तरह नष्ट होने की दिशा में बढती प्रतीत हो रही है।

इस सभ्यता ने अपने ही मूल पर आघात करना शुरू कर दिया है। हालांकि वैज्ञानिक समझ के विकास के चलते सब गलत दिशा को समझ भी रहे हैं किन्तु विज्ञान का दुरुपयोग प्रकृति विनाशक शक्ति के रूप में किया जा रहा है। दुनिया के सबसे विद्वान वैज्ञानिकों की बहुसंख्या युद्ध विज्ञान के विकास में संलग्न कर दी गई है, क्योंकि निर्णय लेने वाले लोग तो आदिम क्रूर मानसिकता के ही वाहक बने हुए हैं, जिनके हाथ में मशीन और विज्ञान, प्रकृति एवं प्राणी समाज के साथ मनमानी करने का हथियार बन गया है। ज्ञान, सुख और शांति का वाहक बनने के बजाय युद्ध और क्रूरता का वाहक बन गया है। इस स्थिति में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के सातवें अधिवेशन में नैरोबी में प्रस्तुत की गई ग्लोबल आउटलुक 2025 रिपोर्ट पर्यावरण के साथ किये जा रहे दुर्व्यवहार को संरेखित करती है और अपने तौर तरीकों पर मानव समाज को पुनर्विचार करके संशोधित करने की दिशा दिखलाती है। जलवायु परिवर्तन, प्रकृति के साथ किये जा रहे दुर्व्यवहार की प्रतिक्रिया के रूप में एक बड़े खतरे के रूप में चुनौती पेश कर रहा है। मशीनीकरण को चलाए रखने के लिए जिस ऊर्जा की बड़े पैमाने पर जरूरत है, वह जीवाश्म ईंधन से पैदा की जा रही है। इस उत्पादन प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर धुआं और जहरीली गैसें उत्सर्जित होती हैं जो हरित प्रभाव पैदा करके वायुमंडल के तापमान में अप्रत्याशित वृद्धि कर रही हैं। तापमान वृद्धि से पूरा जलवायु का संतुलन हिल गया है। कहीं अतिवृष्टि हो रही है तो कहीं अनावृष्टि हो रही है। ग्लेशियर पिघल कर समाप्त होने की ओर अग्रसर हैं जो आसन्न जल संकट का कारण बनेंगे।

भारत में नववर्ष की परंपराएं

दुनिया भर में नव वर्ष का स्वागत बड़ी धूमधाम, उमंग और उल्लास के साथ किया जाता है। अनेक देशों में नववर्ष से जुड़ी अपनी-अपनी परम्पराएं हैं। हमारे देश के विभिन्न प्रांतों में भी नववर्ष का स्वागत अलग-अलग तरीके से किया जाता है लेकिन कई जगह नव वर्ष मनाने की परम्पराएं और रीति-रिवाज इतने विचित्र हैं कि लोग उनके बारे में जानकर आश्चर्यचकित हो जाते हैं।

नए साल के आगमन की खुशी में लोग नव वर्ष की पूर्व संध्या पर नाचते-गाते हैं और खुशियां मनाते हैं। नाच-गाने का यह सिलसिला घड़ी में रात्रि के 12 बजने अर्थात नव वर्ष के आरंभ होने तक चलता है और घड़ी की सूई से जैसे ही 12 बजने का संकेत मिलता है अर्थात नया साल दस्तक देता है, चहुं ओर आतिशबाजी का धूम-धड़ाका शुरू हो जाता है। नव वर्ष के प्रथम दिन लोग एक-दूसरे को नववर्ष की बधाई देते हुए स्वयं के लिए भी कामना करते हैं कि

श्वेता गोयल

नया साल शुभ एवं फलदायक हो और नव वर्ष में सफलता उनके कदम चूमे। दुनिया भर में नव वर्ष का स्वागत बड़ी धूमधाम, उमंग और उल्लास के साथ किया जाता है। अनेक देशों में नववर्ष से जुड़ी अपनी-अपनी परम्पराएं हैं। हमारे देश के विभिन्न प्रांतों में भी नववर्ष का स्वागत अलग-अलग तरीके से किया जाता है लेकिन कई जगह नव वर्ष मनाने की परम्पराएं और रीति-रिवाज इतने विचित्र हैं कि लोग उनके बारे में जानकर आश्चर्यचकित हो जाते हैं। संभवतः दुनिया भर में भारत ही एकमात्र ऐसा देश है, जहां नव वर्ष एक से अधिक बार और विविध रूपों में मनाया जाता है। हमारे यहां ईस्वी संवत और विक्रमी संवत दोनों को ही महत्व दिया जाता है। ईस्वी संवत के अनुसार नव वर्ष की शुरूआत एक जनवरी को और विक्रमी संवत के अनुसार नए साल की शुरूआत वैशाख माह के प्रथम दिन से मानी जाती है जबकि इस्लाम में हिजरी संवत के आधार पर नववर्ष की शुरूआत मानी जाती है। बहरहाल, नव वर्ष मनाने की परम्पराएं चाहे कुछ भी हों, सभी का उद्देश्य एक ही है और वह है नव वर्ष सुख, शांति एवं समृद्धि से परिपूर्ण हो। आइए जानते हैं, भारत के विभिन्न हिस्सों में कैसे मनाया जाता है नव वर्षः- महाराष्ट्र में नव वर्ष के शुभ अवसर पर एक सप्ताह पहले ही घरों की छतों पर रेशमी पताका फहराई जाती है। घरों व दफ्तरों को रंग-बिरंगे फूलों से सजाया जाता है तथा इस दिन पतंगें उड़ाकर नव वर्ष का स्वागत किया जाता है। बिहार में नव वर्ष के मौके पर विद्या की देवी सरस्वती की पूजा-अर्चना की जाती है। गरीब बच्चों को कपड़े तथा चावल का दान किया जाता है ताकि वर्ष भर घरों में सुख-शांति एवं समृद्धि बनी रही। असम में नव वर्ष की यादगार बेला में घर के आंगन में मांडणे (रंगोली) सजाए जाते हैं तथा दीप या मोमबत्तियां जलाई जाती हैं। गाय को रोटी और गुड़ खिलाया जाता है ताकि नव वर्ष हंसी-खुशी के साथ गुजरे। केरल में नव वर्ष के अवसर पर नीम व तुलसी की पत्तियां तथा गुड़ खाना शुभ माना जाता है। माना जाता है कि इनको खाने से शरीर साल भर तक स्वस्थ बना रहता है। राजस्थान में नव वर्ष के विशेष अवसर पर गुड़ से बने पकवान खाना बहुत शुभ माना जाता है ताकि वर्षभर मुंह से मधुर बोली ही निकलती रहे। मणिपुर में इस दिन तरह-तरह की आतिशबाजी की जाती है तथा अनेक स्थानों पर भूत-प्रेतों के पुतले बनाकर भी जलाए जाते हैं ताकि भूत-प्रेत किसी को नुकसान न पहुंचा सकें। छत्तीसगढ़ में यहां के आदिवासी तरह-तरह के गीत गाकर नव वर्ष का स्वागत करते हैं। इस दिन यहां बच्चों को गोद लेने की प्रथा भी है ताकि वर्ष का प्रत्येक दिन खुशियों से भरा रहे। राज्य के कुछ आदिवासी इलाकों में फसल में महुआ के फूल दिखाई देने पर आदिवासी उत्सव मनाया जाता है, जो उनके नव वर्ष का प्रारंभ माना जाता है। देश के कई अन्य आदिवासी इलाकों में उनके देवी-देवताओं के आराधना पर्वों के हिसाब से नववर्ष की शुरूआत मानी जाती है। जम्मू-कश्मीर में नव वर्ष के उपलक्ष्य पर अनाथ बच्चों को भरपेट भोजन कराकर नए कपड़े पहनाए जाते हैं और उनके माथे पर तिलक लगाकर आरती उतारी जाती है ताकि नव वर्ष हंसी-खुशी के साथ व्यतीत हो सके। नागालैंड के नाग आदिवासी नाग पंचमी के दिन से ही अपने नव वर्ष की शुरूआत करते हैं।कृषि प्रधान राज्यों पंजाब तथा हरियाणा में यूं तो आजकल एक जनवरी को ही नववर्ष धूमधाम से मनाया जाता है किन्तु यहां नई फसल का स्वागत करते हुए नववर्ष बैसाखी के रूप में भी मनाया जाता है। व्यापारी समुदाय के लोग अपने आर्थिक हिसाब-किताब की दृष्टि से दीवाली से ही नववर्ष की शुरूआत मानते हैं जबकि वित्तीय आधार पर शासकीय नववर्ष की शुरूआत एक अप्रैल से होती है।

फास्ट फूड की मीठी लत और कड़वी सच्चाई

इसकी पहली वजह है समय की कमी-तेज रफ्तार जीवन में लोगों के पास घर पर खाना बनाने या बैठकर खाने का समय नहीं बचा। दूसरी बड़ी वजह है हर जगह उपलब्धता। फास्ट फूड हर समय सामने है। तीसरी वजह है तीखा और लुभावना स्वाद

कुछ दिन पहले उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद से आई एक खबर ने पूरे देश को झकझोर दिया। 16 वर्ष की एक किशोरी, जो लंबे समय से अत्यधिक फास्ट फूड खा रही थी, गंभीर रूप से बीमार पड़ी। डॉक्टरों के अनुसार उसकी आंतें आपस में चिपक चुकी थीं, पाचन तंत्र लगभग पूरी तरह नष्ट हो चुका था। पेट में तरल भर गया था, रक्त संचार कम हो गया था और संक्रमण आंतों से फैलकर फेफड़ों तक पहुंच गया। ऑपरेशन हुआ, लेकिन जीवन नहीं बच सका। यह घटना मात्र एक वायरल खबर नहीं, बल्कि हमारे समय के लिए एक भयावह चेतावनी है। यह हमें ठहरकर सोचने को मजबूर करती है-जिस फास्ट फूड को हम बेफिक्र होकर खाते हैं, क्या वह वास्तव में उतना ही मासूम है, या फिर चुपचाप एक ऐसे सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का रूप ले चुका है,

डॉ. शिवानी कटारा

जिसकी कीमत हम आने वाली पीढ़ियों से चुका रहे हैं? सीधे-सीधे कहें तो फास्ट फूड वही खाना है जो झटपट मिल जाए और झटपट खा लिया जाए। न अधिक इंतजार, न अधिक मेहनत । इसकी पहली वजह है समय की कमी-तेज रफ्तार जीवन में लोगों के पास घर पर खाना बनाने या बैठकर खाने का समय नहीं बचा। दूसरी बड़ी वजह है हर जगह उपलब्धता। फास्ट फूड हर समय सामने है। तीसरी वजह है तीखा और लुभावना स्वाद। नमक, चीनी और तेल अधिक होता है, जो जीभ और दिमाग दोनों को तुरंत आकर्षित करता है। और अंत में, सोशल फैक्टर-पार्टी, बर्थडे, आउटिंग और दोस्तों के साथ मिलने-जुलने में फास्ट फूड अब सामान्य हिस्सा बन चुका है।

फास्ट फूड की लत केवल आदत का विषय नहीं, बल्कि मस्तिष्क की रसायनिकी से जुड़ा हुआ है। अत्यधिक मीठा, नमकीन और तला हुआ भोजन मस्तिष्क में ह्यडोपामिनह्व नामक रसायन का स्त्राव बढ़ाता है, जो तात्कालिक सुख और संतोष का अनुभव कराता है। धीरे-धीरे मस्तिष्क उस स्वाद को उसी सुखद अनुभूति से जोड़ लेता है। यहां तक कि उस भोजन को देखने या उसके बारे में सोचने मात्र से वही प्रतिक्रिया शुरू हो जाती है। तनाव, थकान, उदासी या अकेलेपन की स्थिति में व्यक्ति अनजाने में ऐसे भोजन की ओर खिंचता है, क्योंकि वह तुरंत अच्छा लगने का एहसास देता है। यही कारण है कि फास्ट फूड धीरे-धीरे कम्फर्ट फूड बन जाता है, जबकि वास्तविकता में वह शरीर के लिए सबसे अधिक असुविधा और रोगों का कारण बनता है।

फास्ट और अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड का प्रभाव धीरे-धीरे दिखाई देता है। प्रारंभ में गैस, एसिडिटी, कब्ज, थकान, त्वचा की समस्याएं , दांतों में केविटीज, मसूड़ों का इन्फेक्शन और एकाग्रता की कमी जैसी छोटी परेशानियां होती हैं, जिन्हें सामान्य मानकर अनदेखा कर दिया जाता है। लेकिन लंबे समय में यही आदतें मोटापा, टाइप-2 मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, इंसुलिन प्रतिरोध और मेटाबॉलिक सिंड्रोम का कारण बनती हैं। इन खाद्य पदार्थों में फाइबर और पोषक तत्व कम, जबकि चीनी, नमक और हानिकारक वसा अत्यधिक होती है। इससे आंतों के लाभकारी जीवाणु नष्ट होते हैं, सूजन बढ़ती है और पाचन तंत्र कमजोर पड़ता है। बच्चों और किशोरों में इसका प्रभाव और भी गंभीर होता है, क्योंकि इसी अवस्था में शरीर और आदतें दोनों आकार ले रही होती हैं। यह केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य का मुद्दा नहीं है। इन रोगों का इलाज सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था पर भारी बोझ डालता है, कार्यक्षमता घटती है और स्वास्थ्य पर होने वाला खर्च गरीब और मध्यम वर्ग को सबसे अधिक प्रभावित करता है। दूसरे शब्दों में, फास्ट फूड का सस्ता होना एक भ्रम है-इसकी वास्तविक कीमत अस्पताल, दवाइयों और खोए हुए जीवन वर्षों के रूप में समाज चुका रहा है।

आज फास्ट फूड केवल प्लेट में परोसा गया खाना नहीं है, यह एक आक्रामक व्यवस्था है। चमकदार विज्ञापन, बच्चों को लुभाने वाले खिलौने, भारी छूट, मोबाइल ऐप्स की एक क्लिक सुविधा-सब मिलकर इसे हर उम्र, हर वर्ग तक पहुंचा रहे हैं। यह कोई संयोग नहीं है कि भारत में फास्ट फूड उद्योग तेजी से फैल रहा है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 2024 में भारत का फास्ट फूड बाजार लगभग 18.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर का था और इसके 2033 तक 35.5 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, यानी यह उद्योग लगभग 7 प्रतिशत से अधिक की वार्षिक वृद्धि दर से आगे बढ़ रहा है। इस विस्तार का सबसे बड़ा असर बच्चों और युवाओं पर दिखाई देता है। विभिन्न भारतीय अध्ययनों से स्पष्ट होता है कि स्कूल और कॉलेज आयु वर्ग में फास्ट फूड का सेवन 30 प्रतिशत से लेकर 100 प्रतिशत तक की व्यापकता दिखाता है। अर्थात यह अपवाद नहीं, बल्कि सामान्य आदत बन चुकी है । इसके बावजूद, नीति स्तर पर स्थिति चिंताजनक है। तंबाकू और शराब जैसे उत्पादों पर स्वास्थ्य चेतावनियां, कर और विज्ञापन नियंत्रण लागू हैं, लेकिन जंक फूड/फास्ट फूड -जो बच्चों के शरीर और मस्तिष्क के विकास को प्रभावित करता है,अब भी अपेक्षाकृत ढीले नियमन के दायरे में है। विधायिका और सार्वजनिक नीति विमर्श में जंक फूड और शीतल पेयों पर चर्चा का अनुपात अत्यंत सीमित पाया गया है, जो यह संकेत देता है कि बढ़ते जोखिम के बावजूद इसे सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट के रूप में पर्याप्त गंभीरता से नहीं लिया गया है, जिससे स्वाद और सुविधा के नाम पर एक गहरा सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट चुपचाप आकार ले रहा है।

भारतीय ज्ञान परंपरा में भोजन को केवल पेट भरने का साधन नहीं, बल्कि जीवन का आधार माना गया है। आयुर्वेद स्पष्ट कहता है कि आहार, निद्रा और ब्रह्मचर्य जीवन के तीन स्तंभ हैं, और इनमें आहार सर्वोपरि है। भोजन सही विधि से लिया जाए तो वह औषधि है, और गलत विधि से लिया जाए तो वही विष बन जाता है। विरुद्ध आहार-जैसे ठंडे पेय के साथ तला-मसालेदार भोजन-को आयुर्वेद ने सदियों पहले ही रोगों का कारण बताया था। शांत स्थान पर, उचित समय पर, आत्म-परीक्षण के साथ भोजन करने की सीख आज भी उतनी ही प्रासंगिक है। विडंबना यह है कि जिस देश में इतनी स्पष्ट आहार-दृष्टि उपलब्ध है, वहीं आधुनिक नीति निर्माण में भोजन को केवल बाजार का विषय बना दिया गया है, स्वास्थ्य और संस्कृति का नहीं।

अब समय आ गया है कि फास्ट फूड को केवल व्यक्तिगत पसंद कहकर पल्ला न झाड़ा जाए। यह एक नीति-स्तरीय मुद्दा है। बच्चों को लक्षित जंक फूड विज्ञापनों पर सख्त नियंत्रण, स्कूलों के आसपास फास्ट फूड बिक्री पर नियमन, स्पष्ट पोषण चेतावनियाँ, और जन-जागरुकता अभियानों को अनिवार्य बनाना-ये सब विकल्प नहीं, आवश्यकता हैं। मुरादाबाद की वह किशोरी किसी एक परिवार की निजी त्रासदी नहीं, बल्कि उस सामाजिक व्यवस्था का परिणाम है जिसने स्वाद को स्वास्थ्य से ऊपर रखा। यदि हमने इसे आज भी केवल एक खबर मानकर भुला दिया, तो आने वाले समय में ऐसी घटनाएं अपवाद नहीं, बल्कि सामान्य होंगी। यह चेतावनी नहीं, बल्कि नीति, सोच और भोजन-दृष्टि बदलने का एक अहम अवसर है।

(लेखिका, डेंटल सर्जन और स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

घर बैठे नए साल 2026 का करें शानदार आगाज

आज 31 दिसंबर 2025 है, आज से दुनियाभर में 2026 के आगमन की उल्टी गिनती को सेलिब्रेट कर रहा है। 31 दिसंबर को रात के 12 बजते ही नया साल शुरू हो जाएगा। हर कोई न्यू ईयर की प्लानिंग कर रहा है, कोई पहाड़ों पर ट्रिप करने की सोच रहा है, तो कोई दोस्तों के साथ पार्टी करने की तैयारी कर रहा है। हर साल के लिए नए साल का जश्न खास होता है। लोग न्यू ईयर को यादगार बनाने के लिए अलग-अलग तरीके से इसको मनाते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे तरीकों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको अपनाकर आप नए साल का जश्न यादगार बना सकते हैं।

घर पर रखें पार्टी

आप नए साल के मौके पर अपने घर पर 'पजामा' पार्टी रख सकते हैं। इस दौरान आप अपने करीबी दोस्तों के साथ घर पर जश्न वाली शाम बिता सकते हैं। इस तरह से अगर आप न्यू ईयर सेलिब्रेट करते हैं, तो न कोई दबाव होता है और न दिखावा होता है। ऐसे में आप अपनेपन और आराम के साथ नए साल का स्वागत कर सकते हैं

मूवी देखें

अगर आप भी भीड़भाड़ से दूर अपने पार्टनर के साथ न्यू ईयर सेलिब्रेट करना चाहते हैं। तो आप अपने पार्टनर के साथ फिल्म देख सकते हैं। इसलिए लिए आप सॉफ्ट लाइटिंग, स्नैक्स और कंबल के साथ छोटा सा सेटअप बना सकते हैं। बता दें कि पार्टनर के साथ न्यू ईयर ईव पर मूवी देखना न सिर्फ आरामदायक होता है, बल्कि बेहद खास भी होता है। यह आपको बिना शोर-गुल वाली दुनिया के सालभर की यादों पर साथ बैठकर सोचने का मौका देता है। जिससे आपका रिश्ता मजबूत होता है।

गेम नाइट्स रखें

न्यू ईयर ईव पर आप अपने दोस्तों और करीबियों को घर पर बुला सकते हैं और गेम नाइट का आयोजन कर सकते हैं। राउंड्स में गेम खेलना मजेदार हो जाता है। इसकी शुरूआत आप टीम बेस्ड गेम्स से करें और समय के साथ इंडिविजिअल गेम्स खेलें। इस तरह से आप न्यू ईयर सेलिब्रेट कर सकती हैं।

टिप्स

'साइलेंट किलर' ढउडर, फैटी लिवर और डायबिटीज का मेल

आजकल युवा महिलाओं में भी डायबिटीज के मामले तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। इसके पीछे गलत खानपान और खराब लाइफस्टाइल समेत कई कारण जिम्मेदार होते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि फैटी लिवर और पीसीओएस भी डायबिटीज के खतरे को बढ़ा सकती है। इन दोनों ही कंडीशन में इंसुलिन रेजिस्टेंस बढ़ जाता है। जिसकी वजह से टाइप- डायबिटीज हो सकती है। यह दोनों हेल्थ कंडीशन्स जैसे डायबिटीज के खतरे को बढ़ाती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि इससे बचने के लिए आपको क्या करना चाहिए।

पीसीओएस और फैटी लिवर बढ़ा सकता है डायबिटीज का खतरा

एक्सपर्ट की मानें, तो अगर आपको पीसीओएस या फैटी लिवर है, तो इसका कारण टाइप 2 डायबिटीज का खतरा बढ़ सकता है। ऐसा इंसुलिन रेजिस्टेंस की वजह से होता है। इंसुलिन हार्मोन, जोकि ब्लड से ग्लूकोज को सेल्स में पहुंचाने में सहायता करता है और बॉडी में एनर्जी बनाए रखने के लिए जरूरी होता है। वहीं जब सेल्स इंसुलिन के लिए सही रिस्पॉन्स नहीं देती है, तो हमारा शरीर ब्लड शुगर के लेवल को बनाए रखने के लिए इंसुलिन का अधिक सीक्रेशन रहता है। वहीं जब लंबे समय तक ऐसा होता है, तो इंसुलिन रेजिस्टेंस की वजह बनता है। इस प्रोसेस में होने वाले इंबैलेंस के कारण पीसीओएस और फैटी लिवर हो सकता है। बता दें कि जब सेल्स इंसुलिन के लिए सही रिस्पॉन्स नहीं देती है, तो हमारा शरीर ब्लड शुगर के लेवल को बनाए रखने के लिए इंसुलिन का अधिक सीक्रेशन रहता है। जब लंबे समय तक ऐसा होता रहता है, तो यह इंसुलिन रेजिस्टेंस की वजह बनती है। इस प्रोसेस में होने वाले इंबैलेंस के कारण पीसीओएस और फैटी लिवर हो सकता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

झारखंड की ग्रामीण महिलाएं आज परिवर्तन की धुरी बना रही है : नलिन सोरेन

संवाददाता

दुमका : जिले के काठीकुंड प्रखंड अंतर्गत नारगंज स्थित पूर्व एसएसबी कैंप परिसर में महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज करते हुए खरछ्ढर के सहयोग से बासलोई महिला पोल्ट्री प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा स्थापित पोल्ट्री फीड मिल तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा नव-निर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (ढलउ) का संयुक्त रूप से उद्घाटन मंगलवार को सम्पन्न हुआ। इन दोनों महत्त्वपूर्ण अवसंरचनाओं के शुभारंभ से ग्रामीण आजीविका, उद्यमिता, पोषण तथा स्वास्थ्य सुरक्षा को एक साथ सुदृढ़ प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि दुमका संसदीय क्षेत्र के झारखंड मुक्ति मोर्चा के सांसद नलिन सोरेन रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में शिकारीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र के झारखंड मुक्ति मोर्चा विधायक आलोक कुमार सोरेन, जिला परिषद् अध्यक्षा जॉयस बेसरा, उपायुक्त अभिजीत सिन्हा तथा उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम प्रखंड विकास पदाधिकारी सौरव कुमार एवं खरछ्ढर की जिला टीम तथा काठीकुंड प्रखंड के सभी विभागों के कर्मियों के संयुक्त सहयोग एवं बेहतर समन्वय से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। दुमका संसदीय क्षेत्र के झारखंड मुक्ति मोर्चा

सांसद नलिन सोरेन ने कहा कि झारखंड की ग्रामीण महिलाएं आज परिवर्तन की धुरी बन रही हैं। स्वयं सहायता समूहों और उत्पादक कंपनियों के माध्यम से उनकी आर्थिक भूमिका मजबूत हो रही है। यह फीड मिल न केवल रोजगार का सृजन करेगी, बल्कि महिलाओं को स्थानीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी उद्यमी के रूप में स्थापित करने में बड़ा योगदान देगी। शिकारीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र के झारखंड मुक्ति मोर्चा विधायक आलोक कुमार सोरेन ने कहा कि काठीकुंड जैसे क्षेत्रों में आजीविका और स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार यहां के सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य को बदलेगा। महिलाओं और युवाओं को स्वावलंबन की दिशा में अवसर मिल रहे हैं, यह बदलाव का संकेत है। उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने कहा कि विकास की योजनाओं का वास्तविक लाभ तभी है जब समुदाय केंद्र में रहे। यह पहल ग्रामीण परिवारों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा तथा आजीविका उन्नयन दोनों उपलब्ध कराएगी, जो समग्र विकास के हमारे लक्ष्य के अनुरूप है। उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान ने कहा कि महिला उद्यमिता की यह उपलब्धि पूरे जिले के लिए गर्व का विषय है। प्रशासन और समुदाय के तालमेल से विकास के ऐसे मॉडल का विस्तार किया जाएगा।

पोल्ट्री फीड मिल स्थानीय महिलाओं की आजीविका उन्नयन के उद्देश्य से स्थापित की गई है, जिसके माध्यम से मुर्गी पालन करने वाली महिलाओं को अब उच्च गुणवत्ता वाली फीड स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होगी। इससे उत्पादन लागत में कमी आएगी, आय बढ़ेगी और महिलाएं प्रतिस्पर्धी बाजार में आत्मनिर्भर उद्यमी के रूप में सशक्त पहचान बना सकेंगी। साथ ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की सेवाओं से आसपास के ग्रामीण परिवारों को समय पर एवं सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त होंगी, जिससे क्षेत्र के स्वास्थ्य संकेतकों में अपेक्षित सुधार आएगा। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शनी-सह-विक्रय स्टॉल लगाए गए, जिनमें ह्यदीदी की दुकानह्न, ब्राउन अंडा, बाल विकास परियोजना, पौधा संरक्षण आदि के स्टॉल विशेष आकर्षण रहे। महिलाओं की उद्यमी क्षमता को प्रोत्साहन देने हेतु उनके उत्पादों की बिक्री एवं प्रदर्शनी की गई।

उद्घाटन अवसर पर विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभुकों को परिसंपत्तियों का वितरण भी किया गया। खरछ्ढर द्वारा फूलो-झानो योजना अंतर्गत ऋण, उक्क्षएवं बैंक लिंकेज सहायता प्रदान की गई। भूमि संरक्षण विभाग द्वारा ट्रैक्टर, पम्पसेट एवं बन पट्टा का वितरण किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा चश्मा एवं टटऊ्ढ किट दिए गए। बाल विकास परियोजना अंतर्गत नियुक्ति पत्र, गोदभराई एवं अन्नप्राशन कार्यक्रम आयोजित हुए। सामाजिक सुरक्षा विभाग द्वारा कंबल वितरण तथा मुख्यमंत्री कन्यादान योजना एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण योजना के लाभ उपलब्ध कराए गए। आबुआ आवास योजना के लाभुकों का गृह प्रवेश तथा शिक्षा विभाग द्वारा छात्राओं को साइकिल वितरण भी किया गया। साथ ही पात्र लाभुकों को पोषण सामग्री एवं जन्म प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

यह बहुआयामी कार्यक्रम ग्रामीण विकास के एकीकृत मॉडल का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करता है, जिसमें आजीविका, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और उद्यमिता संवर्धन को साथ लेकर आगे बढ़ने की प्रतिबद्धता परिलक्षित होती है। बासलोई महिला पोल्ट्री प्रोड्यूसर कंपनी की फीड मिल एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना से दुमका जिले के ग्रामीण समुदाय, विशेषकर महिलाओं, को आत्मनिर्भर और सशक्त भविष्य की दिशा में ठोस आधार प्राप्त होगा।

भारत गौरव रत्न सम्मान से सम्मानित हुए गोपाल श्रीवास्तव

संवाददाता

साहिबगंज : साहित्य की दुनिया राष्ट्रीय साहित्यिक मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष साहिबगंज के बनपर टोला निवासी गोपाल श्रीवास्तव को हरियाणा फरीदाबाद की अरुणाभा वेलफेयर सोसाइटी ने सम्मानित किया है। फरीदाबाद में हुए एक कार्यक्रम में शिक्षा साहित्य व समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सोसाइटी की संस्थापिका अध्यक्ष चूड़ामणि डॉ प्रणीता प्रभात एवं सचिव डॉ राघवेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने गोपाल श्रीवास्तव को भारत गौरव रत्न सम्मान 2025 से सम्मानित किया है।यह सम्मान हरियाणा के फरीदाबाद में 7 दिसम्बर को आयोजित कार्यक्रम में उन्हें

दिया जाना था।परंतु निजी व्यस्तता के कारण वो कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके।जिसे बाद में डाक द्वारा उनके घर पर भेज दिया गया। बताते चले कि गोपाल श्रीवास्तव पिछले कई वर्षों से साहित्य के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं और लगातार देश के अलग अलग भागों में आयोजित होने वाले कवि सम्मेलन में प्रस्तुति दे चुके हैं।उन्हें अब तक साहित्य रत्न,साहित्य श्री,साहित्य गौरव जैसे कई सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। गोपाल श्रीवास्तव ने इस सम्मान के लिए संस्था की संस्थापिका अध्यक्ष व सचिव सहित सभी का आभार व्यक्त किया है। इधर गोपाल श्रीवास्तव को भारत गौरव रत्न सम्मान मिलने पर शहर के साहित्यकार सुधीर श्रीवास्तव,अभय कुमार,आनंद मोदी सहित गोपाल चोखानी,पिंकी पाण्डेय,भगवती रंजन पाण्डेय,रीमा सिंह,विद्युनाथ आचार्या सहित अनेक लोगों ने बधाई दी।

अभाविप केवल छात्र संगठन नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण की वैचारिक प्रयोगशाला है : पूर्व विधायक

संवाददाता

साहिबगंज : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अभाविप झारखंड का 26वां प्रदेश अधिवेशन गढ़वा में अनुशासन उत्साह और संगठनात्मक गरिमा के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस प्रदेश अधिवेशन में झारखंड के सभी जिलों से लगभग 1500 से अधिक छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की, जबकि साहिबगंज जिले से करीब 45 कार्यकर्ता एवं छात्र प्रतिनिधि अधिवेशन में शामिल हुए। अधिवेशन के दौरान छात्रहित शिक्षा सामाजिक दायित्व और राष्ट्र निर्माण से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई तथा संगठन को भविष्य की दिशा देने वाले महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद झारखंड की नई प्रदेश कार्यकारिणी का गठन किया । जिसमें साहिबगंज और राजमहल क्षेत्र के कई

कार्यकताओं को महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे गए। इनमें साहिबगंज के इन्द्रोजीत साह को प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक, कुमारी निधि सिंह को प्रदेश छात्रा सह प्रमुख राजमहल के आदित्य गुप्ता को प्रदेश कला मंच सह संयोजक तथा तलझारी के श्री गौरव कुमार सुमन को प्रदेश एसएफएस सह संयोजक बनाया गया। वहीं बरहेट के श्री कन्हाई ढोली, बोरियो के श्री अंकित कुमार राजमहल के अभी यादव साहिबगंज के श्री अविनाश कुमार व राजमहल की कुमारी दिशा हलदार को प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य के रूप में दायित्व प्रदान की जबकि नव नियुक्त प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक इन्द्रोजीत साह ने अपने वक्तव्य में कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद केवल छात्र संगठन नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण की वैचारिक प्रयोगशाला है। उन्होंने कहा कि संगठन द्वारा सौंपे गए दायित्व का निर्वहन वे पूर्ण निष्ठा समर्पण व तकनीकी दक्षता के साथ करेंगे तथा डिजिटल माध्यमों के जरिए अभाविप की राष्ट्रवादी विचारधारा को प्रत्येक छात्र तक पहुँचाने का

बदमाशों ने चाकू से हमला कर दो लोगों को गंभीर रूप से किया घायल

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा: राधानगर थाना क्षेत्र के उत्तरी सरफराजगंज पंचायत अंतर्गत फुदकीपुर घोष टोला गांव में बीती देर रात हथियार से लैस चार पांच की संख्या में नकाबपोश अपराधियों ने एक घर में घुसकर परिवार के सदस्यों को बंधक बना लिया और रुपयों की मांग करने लगे विरोध करने पर बदमाशों ने चाकू से हमला कर दो लोगों को गंभीर रूप से घायल कर दिया और मौके से फरार हो गए। मिली जानकारी के अनुसार स्थानीय शिक्षक जयकांत मंडल पड़ोसी मुकुल कुमार दास के घर उनके बच्चों को ट्यूशन पढ़ाकर लौट चुके थे। मुकुल कुमार दास अपनी किराना दुकान बंद कर अपने घर पर था। इसी दौरान करीब 10 बजे

नकाबपोश अपराधियों ने घर में घुसकर परिवार के सदस्यों को दो तल्ला मकान पर ले जाकर बंधक बना लिया। बदमाशों के चंगुल से निकलकर मकान मालिक की बेटी मिताली दास किसी तरह एक कमरे में छिप गई और फोन कर ट्यूशन मास्टर को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही शिक्षक जयकांत मंडल बाइक से पीड़ित के घर पहुंचे। बाइक की आवाज सुनते ही सभी अपराधी घर से बाहर निकले और शिक्षक जयकांत मंडल तथा मकान मालिक मुकुल कुमार दास पर चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में जयकांत मंडल 27 और मुकुल कुमार दास 46 गंभीर रूप से घायल हो गए। वारदात को अंजाम देने के बाद अपराधी घर से पूर्व दिशा की ओर भागने में सफल रहे। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और राधानगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़ित परिवार से पूछताछ शुरू की। घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर एक बाइक हीरो स्प्लेंडर एचएफ डीलक्स जेएच 18 बी 8897 बरामद की गई है जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है। पुलिस इसे अपराधियों से जोड़कर जांच कर रही है। उधर, घायलों को आनन-फानन में राजमहल अनुमंडल अस्पताल ले जाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने रेफर कर दिया। फिलहाल दोनों घायलों का इलाज पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के एक निजी अस्पताल में चल रहा है।पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

आरएसएस के बरहरवा नगर संघचालक कृष्णकांत व नगर सह कार्यवाह बने आनंद कुमार

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा:राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बरहरवा नगर संघचालक कृष्णकांत कुमार एवं बरहरवा नगर सह कार्यवाह आनंद कुमार को बनाया गया दें आनंद कुमार वर्ष 2025 में प्राथमिक वर्ग प्रशिक्षित रहे हैं।गौरतलब हो कि वर्ष 2010 में आनंद कुमार का अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में संपर्क हुआ। उन्होंने कॉलेज मंत्री नगर मंत्री जिला सह सदस्यता प्रभारी प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य जैसे दायित्वों का निर्वाह किया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नव मनोनीत बरहरवा नगर संघचालक कृष्णकांत ने कहा कि आज हिन्दू समाज के बीच जातीय आधार पर होने वाले भेदभाव को खत्म कर समरस समाज बनाने का समय आ गया है।वहीं बरहरवा नगर सह कार्यवाह आनंद कुमार ने जातिगत भेदभाव को समाप्त करने और एक सामंजस्यपूर्ण समाज के निर्माण का आग्रह किया है।उन्होंने सामाजिक एकता और समानता पर जोर दिया। कहा आरएसएस का उद्देश्य हमेशा से ही सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना रहा है जिसके माध्यम से एक मजबूत और एकजुट राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है।

कड़ाके की ठंड में जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरित

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा:नगर पंचायत क्षेत्र में लगातार बढ़ रही कड़ाके की ठंड को देखते हुए झारखंड सरकार द्वारा जरूरतमंदों के लिए कंबल वितरण अभियान चलाया जा रहा है।इसी क्रम में मंगलवार को बरहरवा नगर पंचायत के वार्ड संख्या 2 व 3 में कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम के तहत गरीब असहाय बुजुर्ग व दिव्यांग व्यक्तियों को प्राथमिकता के आधार पर कंबल वितरित किए गए।ठंड से जूझ रहे लोगों को कंबल मिलने से उन्हें काफी राहत मिली।लाभार्थियों के चेहरे

पर संतोष और खुशी साफ झलक रही थी।स्थानीय नागरिकों ने झारखंड सरकार की इस मानवीय पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम ठंड के मौसम में गरीबों के लिए संजीवनी का काम करते हैं।लोगों का कहना था कि सरकार द्वारा उठाया गया यह कदम सामाजिक सरोकार और संवेदनशील प्रशासन का परिचायक है।कंबल वितरण कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जन प्रतिनिधियों एवं नगर प्रशासन के अधिकारियों ने कहा कि राज्य सरकार का स्पष्ट निर्देश है कि कोई भी गरीब या असहाय व्यक्ति ठंड के कारण परेशान न हो।ठंड के प्रकोप को देखते हुए जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाने के लिए ऐसे राहत कार्यक्रम आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।इस अवसर पर नगर कार्यपालक पदाधिकारी दीपक कुमार,कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू,शाहनवाज नासीर नेहाल अख्तर आलमगीर मंसूरी५अजीत कुमार राय आफताब आलम वारिश हुसैन सहित नगर पदाधिकारी अमर कुशवाहा,प्रभास कुमार विक्रम चौधरी हीरा शेख,सुशील कुमार,अंकित कुमार,पूर्व वार्ड सदस्य जितेंद्र स्वर्णकार एवं सबीना बीबी समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।आयोजन में नगर पदाधिकारी व जनप्रतिनिधियों के सहयोग से जरूरतमंदों को समय पर राहत पहुंचाई गई।

सिंगल यूज प्लास्टिक विक्रेताओं के विरुद्ध चला छापेमारी अभियान

दुमका : मंगलवार को झारखण्ड उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश के अनुपालन में नगर परिषद, दुमका के द्वारा नगर परिषद् क्षेत्रान्तर्गत सिंगल यूज प्लास्टिक विक्रेताओं के यहां छापामारी अभियान चलाया गया। अभियान में लगभग 10 किलोग्राम प्लास्टिक जब्त की गई एवं दण्ड राशि वसूल की गई एवं भविष्य में बिक्री न करने का निदेश दिया गया। साथ ही, आम जनों से अनुरोध किया गया कि कपड़े, जूट, कागज अथवा अन्य पर्यावरण अनुकूल थैलों का उपयोग करें। इस अभियान में नगर परिषद के पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद थे।
इसी क्रम में झारखण्ड नगरपालिका अधिनियम 2011 के अन्तर्गत अतिक्रमण मुक्त शहर अभियान चलाया गया। अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों को भविष्य में अतिक्रमण न करने हेतु निदेश दिया गया एवं जुमार्ना की राशि भी वसूल की गई। आम जनों से अनुरोध है कि शहर को अतिक्रमण मुक्त करने में अपना सहयोग प्रदान करें।

न्यूज IN ब्रीफ

शटर काटकर लाखों की चोरी का खुलासा : उत्तराखंड पुलिस की दबिश अमानत दियारा से एक आरोपी धराया

साहिबगंज/उधवा: शटर काटकर लाखों रुपये की चोरी के मामले में उत्तराखंड पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए राधानगर थाना पुलिस के सहयोग से थाना क्षेत्र के अमानत दियारा गांव में छापेमारी कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मकसूद शेख के रूप में हुई है, जिसे मंगलवार को कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद ट्रांजिट रिमांड पर उत्तराखंड पुलिस अपने साथ ले गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार उत्तराखंड के मुखानी थाना क्षेत्र में बीते दिनों अज्ञात अपराधियों ने शटर काटकर एक प्रतिष्ठान से लाखों रुपये की चोरी की घटना को अंजाम दिया था। इस संबंध में मुखानी थाना में पीड़ित के बयान पर कांड संख्या 268/25 दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया था। जांच के क्रम में पुलिस को अहम सुराग हाथ लगे, जिसके आधार पर राधानगर थाना क्षेत्र के अमानत दियारा निवासी मकसूद शेख की संलिप्तता सामने आई। इसके बाद मुखानी थाना की चार सदस्यीय विशेष टीम मंगलवार को राधानगर पहुंची और स्थानीय पुलिस के सहयोग से अमानत दियारा में छापेमारी कर आरोपी को दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर मुखानी पुलिस ने आरोपी को ट्रांजिट रिमांड पर अपने साथ उत्तराखंड ले गई, जहां उससे चोरी की घटना को लेकर गहन पूछताछ की जाएगी। पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ के दौरान चोरी की पूरी साजिश और अन्य सहयोगियों के बारे में भी अहम जानकारियां मिल सकती हैं। इस संयुक्त कार्रवाई में राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज सहित मुखानी थाना की पुलिस टीम मौजूद रही।

वूशु प्रतियोगिता में पदक जीतने वाली जिले की पहली खिलाड़ी बनी कोमोला

साहिबगंज : वूशु फेडरेशन ऑफ इंडिया और छत्तीसगढ़ वूशु संघ, द्वारा राजनंदगांव में 24 से 30 दिसंबर तक संपन्न 9वीं फेडरेशन कप नेशनल वूशु चैंपियनशिप में झारखंड राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए जिला वूशु संघ साहिबगंज के सचिव सह प्रशिक्षक मृतुन्जय राय के नेतृत्व में अथक परिश्रम से कोमोला कुमारी ने तावलू स्पर्धा में कांस्य पदक जीत जिले एवं राज्य का नाम रौशन किया।कोमोला कुमारी की ऐतिहासिक उपलब्धि पर उपायुक्त हेमंत सती, उपविकास आयुक्त सतीश चंद्रा अपर समाहर्ता गौतम कुमार भगत,जिला खेल पदाधिकारी कुमार हर्ष समेत जिले के खेल प्रेमियों ने बधाई दी।

निशान यात्रा के दौरान खाटू श्याम के जयकारे से पूरा माहौल भक्तिमय

साहिबगंज : पौष मास के एकादशी के अवसर पर मंगलवार को मारवाड़ी समाज ने खाटू वाले श्याम की निशान यात्रा निकाली और खाटू वाले श्याम बाबा की निशान यात्रा चौक बाजार स्थित ठाकुरबारी से निकाली गई।जिसमें दर्जनों मारवाड़ी समाज की महिला व पुरुष शामिल हुए।निशान यात्रा के दौरान खाटू श्याम के जयकारे से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया।खाटू वाले श्याम मंदिर के पुरोहित के नेतृत्व में निकाली गई निशान यात्रा में संगीता गुप्ता,सरिता पोद्दार,बबीता अग्रवाल,कविता शर्मा, रानी गुप्ता,ललिता डोकानिया,रूबी तंबाकूवाला,अनुसूया देवी,रेणु देवी, मनीषा नर्सरिया,अजय पारीक,मनु तंबाकूवाला,नवीन तंबाकूवाला,नानू तंबाकूवाला,रंजन पटवारी,राजेंद्र सोनी, विशाल डोकानिया,श्वेता पारीक,प्रीति कनौजिया,रश्मि चोखानी,शिल्पा खंडेलवाल सहित दर्जनों अन्य महिला शामिल थीं।

गर्मी से पूर्व बोरिंग सह पाइप लाइन कि सख्त आवश्यकता है

साहिबगंज/बरहरवा: नगर पंचायत अंतर्गत वार्ड संख्या 03 में रेलवे फाटक के समीप के स्थानीय लोगों ने पीने के पानी को लेकर हो रही समस्याओ को प्रखण्ड महासचिव निताय सरकार के समक्ष रखा वार्ड वासियों ने कहा कि गर्मी में हम सभी वार्ड वासियों को पीने के पानी को लेकर बहुत दिक्कत का सामना करना पड़ता है किसी किसी के घर में कुएं के पानी का इस्तेमाल होता है वह भी गर्मी में सुख जाता है जिससे पानी कि समस्या लगातार कई वर्षों से बनी रहती है इसलिए हम सभी को गर्मी से पूर्व बोरिंग सह पाइप लाइन कि सख्त आवश्यकता है ताकि हम सभी को गर्मी में पानी कि समस्याओ से निजात मिल सके इस पर प्रखण्ड महासचिव निताय सरकार ने त्वरित कार्यवाही करते हुए वार्ड वासियो के साथ मिलकर नगर पंचायत के लिए आवेदन बना कर बरहरवा नगर पंचायत पहुंचे साथ ही सी टी मैनेजर पुरुसोत्तम देव को आवेदन सौपते हुए गर्मी से पूर्व पानी के लिए उत्तम व्यवस्था करने कि बात कही इस पर सीटी मैनेजर ने आश्वासन देते हुए जल्द ही व्यवस्था करने कि बात कही।मौके पर शशि स्वर्णकार,विजय कुमार,दीपक कुमार भगत,दिलीप पांडे सहित दर्जनों वार्ड वासी उपस्थित थे।

नए साल की शुरुआत कीजिए

संदीपा के इन होलिस्टिक फिटनेस मंत्र के साथ

अभिनेत्री और परफ़ॉर्मर संदीपा धर का फिटनेस फ़लसफ़ा संतुलन, निरंतरता और अपने शरीर की ज़रूरतों को समझने पर आधारित है। उनकी इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर एक नज़र डालते ही साफ़ हो जाता है कि उनका वर्कआउट रूटीन बेहद विविध और संतुलित है, जिसमें स्ट्रेंथ, फ़्लेक्सिबिलिटी, माइंडफुलनेस और हाई-इंटेंसिटी ट्रेनिंग का बेहतरीन मेल देखने को मिलता है। संदीपा के लिए फिटनेस कोई अस्थायी लक्ष्य नहीं, बल्कि एक लाइफ़स्टाइल है। आइए, उनके वर्कआउट डायरी से उनके फिटनेस मंत्र के अहम पहलुओं पर नज़र डालते हैं। ताक़त और स्ट्रेस रिलीज़ के लिए किकबॉक्सिंगः संदीपा अपनी फिटनेस रूटीन में किकबॉक्सिंग को खास जगह देती हैं। उनके ट्रेनिंग वीडियोज़ में दमदार पंच, सटीक किक्स और फ़ोकस्ड फ़ुटवर्क नज़र आते हैं, जो यह दिखाते हैं कि यह कॉम्बैट स्पोर्ट न सिर्फ़ मसल्स को टोन करता है, बल्कि स्टैमिना और फुर्ती भी बढ़ाता है। शारीरिक फ़ायदों के साथ-साथ किकबॉक्सिंग उनके लिए एक बेहतरीन स्ट्रेस-बस्टर भी है, जो मानसिक एकाग्रता बढ़ाने और ऊर्जा को सही दिशा देने में मदद करता है।

कोर स्ट्रेंथ और कंट्रोल के लिए पिलाटेसः

पिलाटेस संदीपा के फिटनेस रूटीन का एक अहम हिस्सा है, ख़ासकर कोर स्ट्रेंथ और पोस्चर के लिए। उनकी पिलाटेस सेशंस में कंट्रोल्ड मूवमेंट्स, डीप मसल एंगेजमेंट और बैलेंस पर ज़ोर दिया जाता है। यह लो-इम्पैक्ट वर्कआउट फ़्लेक्सिबिलिटी बढ़ाने, कोर को मज़बूत करने और बॉडी अलाइनमेंट सुधारने में मदद करता है, और लंबे शूटिंग आवर्स और फिज़िकली डिमांडिंग रोल्स के बीच काम करने वाले एक्टर के लिए बेहद ज़रूरी है। फ़्लेक्सिबिलिटी और माइंडफुलनेस के लिए योगः संदीपा के इंटेंस फिटनेस शेड्यूल में योग, शांति और संतुलन लाता है। अलग-अलग आसनों और फ्लो-बेस्ड प्रैक्टिस के ज़रिए वह फ़्लेक्सिबिलिटी, ब्रीदिंग और मानसिक स्पष्टता पर काम करती हैं। योग न सिर्फ़ रिकवरी में मदद करता है, बल्कि उन्हें अंदर से ग्राउंडेड भी रखता है, जिससे यह उनके होलिस्टिक वेलनेस अप्रोच का अभिन्न हिस्सा बन जाता है। एंड्योरेंस के लिए एब्स और कार्डियोः स्टैमिना और ओवरऑल फिटनेस बनाए रखने के लिए संदीपा एब्स वर्कआउट्स और कार्डियो सेशंस को भी अपने रूटीन में शामिल करती हैं।

अभिनेता नकुल मेहता को 'डू यू वाना पार्टनर' के लिए मिला अवॉर्ड, फैंस संग खुशियां बांटीं

टेलीविजन इंडस्ट्री के जाने-माने अभिनेता नकुल मेहता ने हाल में सीरीज 'डू यू वाना पार्टनर' से दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ी थी। कॉमेडी ड्रामा सीरीज ने रिलीज होते ही काफी चर्चा बटोरी और अब नकुल को इसकी वजह से एक बड़ा सम्मान मिला है। नकुल ने मुंबई में आयोजित आईआईए समारोह में 'बेस्ट एक्टर ओटीटी कॉमेडी' अवॉर्ड अपने नाम किया। यह अवॉर्ड उनके 'बॉबी बग्गा' के किरदार के लिए था। सीरीज में उनका किरदार अभी तक के किरदारों में सबसे अलग था। अवॉर्ड की खुशी जाहिर करते हुए अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में नकुल अपने हाथ में अवॉर्ड लिए नजर आ रहे हैं। उनके चेहरे पर खुशी साफ झलक रही है। नकुल मेहता ने कैप्शन दिया, 'मुंबई में हुए आईआईए अवॉर्ड्स में 'डू यू वाना पार्टनर' के लिए बेस्ट एक्टर ओटीटी कॉमेडी अवॉर्ड से सम्मान प्राप्त किया। यह मेरी फिल्मोग्राफी का एक ऐसा प्रोजेक्ट था, जिसे लोग आज भी ढूंढकर देख रहे हैं। कई जगहों पर जैसे एयरपोर्ट, कैफे, वॉशरूम या पैदल कोर्ट में लोग मुझसे मिलते हैं और बताते हैं कि उन्हें यह शो कितना पसंद आया। मैं दिल से सबका आभारी हूं। वेब सीरीज 'डू यू वाना पार्टनर' को अर्चित कुमार और कॉलिन डिकुन्हा ने निर्देशित किया, जबकि पटकथा नंदिनी गुप्ता, आर्ष वोरा और मिथुन गंगोपाध्याय ने लिखी है। शोमेन मिश्रा और अर्चित कुमार सीरीज के एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं। इस सीरीज में नकुल के साथ तमन्ना भाटिया, डायना पेंटी, जावेद जाफरी, श्वेता तिवारी और रणविजय सिंह जैसे सितारे नजर आ रहे हैं। सीरीज की कहानी दोस्ती, महत्वाकांक्षा और जुगाड़ पर आधारित है, जो दर्शकों को खूब हंसाती और सोचने पर मजबूर करती है। नकुल का किरदार 'बॉबी बग्गा' नाम के व्यक्ति का है, जो दोनों दोस्तों को उनके स्टार्टअप में आगे बढ़ने के लिए मदद करता है और सीरीज को मजेदार मोड़ देता है। सीरीज दो बेस्ट फ्रेंड्स की कहानी पर आधारित है। इसमें दोनों बीयर बिजनेस शुरू करती हैं और पुरुष प्रधान दुनिया में अपनी जगह बनाने की कोशिश करती हैं।

उर्फी ने खुद को बताया असुरक्षित

अतरंगी फैशन क्वीन उर्फी जावेद ने इस बार अपनी एक फोटो से इंटरनेट पर सनसनी मचा दी है. हाल ही में वो अपनी बहन के साथ मुंबई पुलिस स्टेशन में नजर आई. उर्फी ने इस फोटो को अपनी जिंदगी का 'सबसे खौफनाक अनुभव' बताया है. इस पोस्ट ने प्रशंसकों को गहरी चिंता में डाल दिया है. अपनी अतरंगी ड्रेस और बेबाक बयानों के लिए मशहूर रियलिटी शो स्टार उर्फी जावेद का नाम एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है. लेकिन इस बार वजह कोई बोल्ड आउटफिट नहीं, बल्कि पुलिस स्टेशन के बाहर की उनकी कुछ तस्वीरें हैं. उर्फी ने मुंबई के एक पुलिस स्टेशन से अपनी और अपनी बहन की फोटो शेयर कर इंटरनेट पर सनसनी मचा दी है. इस खबर के सामने आते ही उनके चाहने वाले ये सोचकर परेशान हैं कि आखिर उनके साथ ऐसी क्या अनहोनी हो गई? 22 दिसंबर की सुबह जब पूरी दुनिया नींद में थी, तब उर्फी जावेद मुंबई के दादाभाई नौरोजी पुलिस स्टेशन के चक्कर काट रही थीं. इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर शेयर करते हुए उर्फी ने लिखा, 'सुबह के 5 बज रहे हैं और मैं पुलिस स्टेशन में हूं. ये मेरे जीवन का सबसे खौफनाक अनुभव रहा. मैं और मेरी बहनें एक पल के लिए भी सो नहीं पाए हैं.'

बहन डॉली ने भी जताया डर

उर्फी के साथ उनकी बहन डॉली जावेद भी मौजूद थीं. डॉली ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा करते हुए मुंबई की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए. उन्होंने बताया कि पिछले एक हफ्ते में ये दूसरी बार है जब उन्हें मुंबई में असुरक्षित महसूस हुआ है. जावेद बहनों के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर कयासों का बाजार गर्म है कि क्या उन्हें किसी ने धमकी दी है या उनके साथ कोई स्टोकिंग करने जैसी घटना हुई है.

एक्ट्रेस से रियलिटी स्टार तक का सफर

उर्फी जावेद आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं. उनके करियर पर एक नजर डालें तो बतौर एक्टर अपने करियर की शुरुआत करने वाली उर्फी 'बड़े भैया की दुल्हनिया', 'कसौटी जिंदगी की 2' और 'मेरी दुर्गा' में काम कर चुकी हैं. जब एक्टिंग की दूकान नहीं चली, तब उर्फी बिग बॉस ओटीटी में नजर आई. साल 2021 में स्ट्रीम हुए 'बिग बॉस ओटीटी' ने उन्हें घर-घर में मशहूर कर दिया. 'द ट्रेटर्स' की ट्रॉफी अपने नाम करने वाली उर्फी प्राइम वीडियो की सीरीज 'फॉलो कर लो यार' और दिबाकर बनर्जी की फिल्म 'लव सेक्स और धोखा 2' में भी अपना कमाल दिखा चुकी हैं. जल्द ही में वो 'स्प्लिट्सविला' के नए सीजन में अपना जलवा बिखेरती नजर आएंगी.

बेटी आराध्या संग न्यू ईयर मनाने निकले अभिषेक और ऐश्वर्या

बॉलीवुड के सबसे चर्चित और पसंदीदा कपल्स में शुमार ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन एक बार फिर अपनी पारिवारिक बॉन्डिंग को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में दोनों को अपनी बेटी आराध्या बच्चन के साथ मुंबई एयरपोर्ट पर देखा गया, जहां यह कपल फैमिली वेकेशन के लिए रवाना होते नजर आया।

एयरपोर्ट पर स्टाइलिश अंदाज में दिखे

एयरपोर्ट पर तीनों का अंदाज बेहद स्टाइलिश लेकिन कम्फर्टेबल रहा। ऐश्वर्या, अभिषेक और आराध्या तीनों ही ब्लैक आउटफिट में नजर आए, जिसने सोशल मीडिया पर फैंस का ध्यान खींच लिया। हमेशा की तरह ऐश्वर्या ने पैपराजी की मौजूदगी को सहजता से हैंडल किया और मुस्कुराते हुए हाथ हिलाकर अभिवादन किया। हालांकि अभी ये साफ नहीं हो पाया है कि आखिर बच्चन फैमिली छुट्टियां मनाने के लिए कहां गई है।

एनुअल डे पर भी दिखे साथ

इस ट्रिप से कुछ ही दिन पहले बच्चन परिवार एक और खास मौके पर साथ नजर आया था। 18 दिसंबर को मुंबई के धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल में एनुअल डे सेलिब्रेशन का आयोजन हुआ, जिसमें कई बॉलीवुड सितारे अपने बच्चों का हौसला बढ़ाने पहुंचे। इसी कार्यक्रम में ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन भी अपनी बेटी आराध्या का परफॉर्मेंस देखने पहुंचे थे। इस दौरान ऐश्वर्या की मां वृंदा राय भी उनके साथ मौजूद थीं, जिससे यह पल और भी भावुक और खास बन गया।

'अब बस! मैं तुम्हें और कष्ट नहीं दे सकता'

दूसरे बेटे के जन्म के बाद भारती से बोले पति हर्ष

कॉमेडियन भारती सिंह हाल ही में दूसरी बार मां बनी हैं। भारती और उनके पति हर्ष लिंबाचिया ने अपने दूसरे बेटे का स्वागत किया है। इससे पहले कपल का एक बेटा था। हालांकि, कपल इस बार बेटी चाहते थे, लेकिन ऐसा हो नहीं सका। अब हर्ष और भारती ने अपने यूट्यूब (लाइफ ऑफ लिम्बाचिया) में दूसरे बेटे के जन्म के बाद अपनी प्रतिक्रियाओं को दिखाया है। साथ ही कपल ने अपने तीसरे बच्चे की प्लानिंग को लेकर भी बात की। जानिए क्या तीसरे बच्चे के लिए तैयार हैं हर्ष और भारती और आखिर क्यों हर्ष ने कहा कि वो अब भारती को और कष्ट नहीं दे सकते।

तीसरे बच्चे पर भारती ने दी ये प्रतिक्रिया

दूसरे बच्चे का स्वागत करने के बाद अब हर्ष और भारती ने अपनी आगे की फैमिली प्लानिंग के बारे में बात की है। साथ ही उन्होंने अपने दूसरे बेटे के होने पर भी प्रतिक्रिया दी है। वीडियो में कपल ने इस बात पर चर्चा की कि क्या वे एक और बच्चा चाहते हैं या नहीं। डिलीवरी के तुरंत बाद अस्पताल के बिस्तर पर लेटी भारती ने कैमरे में कहा कि वह अपने बच्चे को गोद में लेने के लिए बेताब हैं, जिसे वे प्यार से काजू कहते हैं। उन्होंने व्लॉग में ये भी बताया कि डिलीवरी के बाद जब डॉक्टर ने उनसे पूछा कि क्या वह आगे प्रेग्नेंसी से बचने के लिए अपनी ट्यूब्स बंधवाना चाहती हैं, तो भारती ने इस पर साफ इंकार कर दिया।

भारत ने श्रीलंका को 5-0 से किया क्लीन स्वीप, तीसरी बार टी-20 सीरीज में सूपड़ा साफ

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम : भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पांचवें और अंतिम टी-20 मुकाबले में श्रीलंका को 15 रन से हराकर सीरीज 5-0 से अपने नाम कर ली। इसके साथ ही भारत ने तीसरी बार किसी टीम को टी-20 सीरीज में 5-0 के अंतर से हराने का कारनामा किया। इससे पहले टीम इंडिया वेस्टइंडीज और बांग्लादेश को भी इसी अंतर से शिकस्त दे चुकी है। ग्रीनफील्ड स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। भारत ने कप्तान हरमनप्रीत कौर की शानदार अर्धशतकीय पारी की बदौलत 7 विकेट पर 175 रन बनाए। जवाब में श्रीलंकाई टीम 7 विकेट गंवाकर 160 रन ही बना सकी और लक्ष्य से 15 रन दूर रह गई। भारत की ओर से कप्तान हरमनप्रीत कौर ने जिम्मेदारी भरी पारी खेलते हुए 43 गेंदों में 9 चौकों और 1 छक्के की मदद से 68 रन बनाए। उनके अलावा अरुंधति रेड्डी ने 27 और अमनजोत कौर ने 21 रन का योगदान दिया। श्रीलंका की ओर से चमारी अटापट्टू, कविषा दिलहारी और रश्मिका सेवांदी ने दो-दो विकेट चटकाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम की शुरूआत खराब रही और दूसरे ही ओवर में कप्तान चमारी अटापट्टू पवेलियन लौट गईं। इसके बाद हसिनी परेरा और इमेशा दुलानी ने 79 रन की अहम साझेदारी कर पारी को संभालने की कोशिश की। इमेशा दुलानी ने अर्धशतक लगाया, जबकि हसिनी परेरा ने 65 रन बनाए। हालांकि इनके आउट होते ही श्रीलंका की पारी लड़खड़ा गई और टीम जीत से दूर रह गई। भारत के लिए श्री चरणी, स्नेह राणा, वैष्णवी शर्मा, दीप्ति शर्मा, अरुंधति रेड्डी और अमनजोत कौर ने एक-एक विकेट लिया, जबकि एक बल्लेबाज रन आउट हुई।

सीरीज के पांचों मुकाबले दो वेन्यू पर खेले गए। शुरूआती दो मैच विशाखापट्टनम में और अंतिम तीन मुकाबले तिरुवनंतपुरम में आयोजित हुए। भारत ने पहले तीन मैच क्रमशः 8, 7 और 8 विकेट से जीते, जबकि चौथे मुकाबले में 30 रन और पांचवें में 15 रन से जीत दर्ज की। सीरीज में बल्लेबाजी में शेफाली वर्मा सबसे सफल रहीं। उन्होंने पांच मैचों में 80.33 की औसत से 241 रन बनाए, जिसमें 36 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। श्रीलंका की ओर से हसिनी परेरा ने 165 रन बनाकर टीम के लिए सर्वाधिक रन जुटाए। गेंदबाजी में भारत की दीप्ति शर्मा, वैष्णवी शर्मा और श्री चरणी ने पांच-पांच विकेट हासिल किए। वहीं श्रीलंका की कविषा दिलहारी भी पांच विकेट लेकर अपनी टीम की सबसे सफल गेंदबाज रहीं।

बीएचयू की छात्रा वर्षा सिंह का सीनियर नेशनल एलीट वूमेन्स बॉक्सिंग कैंप के लिए चयन

वाराणसी : विदा होते साल 2025 में उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) की उभरती महिला बॉक्सर वर्षा सिंह (बीए द्वितीय वर्ष) ने विश्वविद्यालय के खेल इतिहास में एक उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है। करीब 15 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद बीएचयू की किसी छात्रा का चयन ह्लसीनियर नेशनल स्तर के एलीट वूमेन्स बॉक्सिंग प्रशिक्षण शिविरह्व के लिए हुआ है। वर्षा सिंह का यह चयन महिला राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता 2025 (के.डी. सिंह बाबू स्टेडियम, लखनऊ) में उनके प्रभावशाली प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। यह विशेष प्रशिक्षण शिविर 25 दिसंबर 2025 से 2 जनवरी 2026 तक आयोजित किया जाएगा। वर्षा, बीएचयू परिसर स्थित साईं बॉक्सिंग सेंटर में नियमित रूप से अभ्यास करती हैं, जहाँ उन्हें विश्वविद्यालय के अनुभवी प्रशिक्षकों का मार्गदर्शन मिल रहा है। उनकी इस उपलब्धि से विश्वविद्यालय परिसर में गर्व और उत्साह का माहौल है।

मुंबई के वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे हादसे को लेकर बोलीं डोनल बिष्ट

कार एक्सीडेंट ने समझाई जिंदगी की अहमियत

टीवी इंडस्ट्री की अभिनेत्री डोनल बिष्ट के साथ एक गंभीर हादसा हुआ। इस कार एक्सीडेंट ने डोनल को अंदर तक झकझोर कर रख दिया। इस हादसे को लेकर बात करते हुए डोनल ने अपनी आपबीती साझा की। उन्होंने बताया कि कैसे ऐसे पल इंसान को जिंदगी की अहमियत समझा देते हैं। डोनल बिष्ट ने बताया कि यह हादसा तब हुआ, जब वह शूटिंग पर जा रही थीं। उन्होंने कहा, यह हादसा 19 दिसंबर को मुंबई के वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर हुआ था। मैं रोज की तरह अपने काम पर जा रही थी। ड्राइवर ने स्थिति को संभालने की पूरी कोशिश की, लेकिन हादसा हो गया।' अभिनेत्री ने कहा, टक्कर के बाद कार और ट्रक आपस में फंस गए थे। हालात इतने गंभीर हो गए कि दोनों गाड़ियां करीब 100 मीटर तक सड़क पर घसीटती चली गईं। यह पूरा वाकया कुछ ही सेकंड में हुआ, लेकिन उन पलों में डर और घबराहट चरम पर थी। आखिरकार ट्रक ड्राइवर ने ब्रेक लगाए, जिससे दोनों वाहन अलग हो पाए। डोनल ने कहा कि अगर समय पर ब्रेक नहीं लगते, तो नतीजे बहुत गंभीर हो सकते थे। उन्होंने कहा, हादसे के बाद हम काफी देर तक सदमे में रहे। उस समय किसी को भी समझ ही नहीं आ रहा था कि क्या हुआ है। भगवान का शुक्र है कि हादसे में सभी सुरक्षित रहे और किसी को जानलेवा चोट नहीं आई। हादसे के बाद शरीर से ज्यादा मन पर असर पड़ा और डर काफी समय तक बना रहा। डोनल ने बताया कि एक्सीडेंट के बावजूद उन्होंने अपने काम के कमिटमेंट पूरे किए। उन्होंने कहा, प्रोफेशनल जिंदगी में कई बार इंसान को अपनी निजी भावनाओं को अलग रखकर काम करना पड़ता है। शूटिंग के दौरान मैंने खुद को सामान्य दिखाने की कोशिश की। एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में 'शो मस्ट गो ऑन' की सोच बहुत गहरी है। उन्होंने कहा, जब काम खत्म हुआ और मुझे खुद के साथ कुछ वक्त बिताने का मौका मिला, तब एहसास हुआ कि वह हादसा कितना डरावना था। उस समय जिंदगी की अहमियत समझ आई। एक पल में सब कुछ बदल सकता है।

नए साल के स्वागत को राजस्थान तैयार, जयपुर से जैसलमेर तक जश्न का माहौल

एजेंसी

जयपुर : नए साल 2026 के स्वागत के लिए राजस्थान पूरी तरह तैयार है। 31 दिसंबर की रात जयपुर सहित प्रदेश के प्रमुख पर्यटन शहरों में होटल, रिसॉर्ट, क्लब और टूरिस्ट स्पॉट्स पर जबरदस्त रौनक रहेगी। पर्यटकों की भारी भीड़ के चलते जयपुर के अधिकांश प्रीमियम होटल पहले से ही फुल हो चुके हैं। कई स्थानों पर लिमिटेड एंट्री और प्री-बुकिंग अनिवार्य कर दी गई है। राजधानी जयपुर में न्यू ईयर सेलिब्रेशन के लिए 4,750 रुपए से लेकर 1.5 लाख रुपए तक के खास पैकेज तैयार किए गए हैं। जयपुर के साथ ही जैसलमेर, जोधपुर, अजमेर, उदयपुर जैसे प्रमुख शहरों में पार्टी की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सेलिब्रिटी परफॉर्मेंस, डीजे नाइट, लाइव म्यूजिक और आतिशबाजी के कार्यक्रमों को देखते हुए प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर हैं। नववर्ष की पूर्व संध्या पर जयपुर पुलिस ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के लिए पुख्ता इंतजाम किए हैं। शहर के प्रत्येक थाना क्षेत्र में थ्री-लेयर गश्त लागू की गई है। भीड़भाड़ वाले इलाकों में 45 अतिरिक्त नाके लगाए गए हैं और करीब 1000 अतिरिक्त पुलिसकर्मियों को चारों जिलों में तैनात किया गया है। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि अधिकारी रात एक बजे तक फील्ड में रहकर अपने-अपने क्षेत्रों में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखेंगे। एडिशनल कमिश्नर डॉ. राजीव पचार के अनुसार यातायात पुलिस को 300 अतिरिक्त जवान पहले ही दिए जा चुके हैं, जबकि अन्य बल में एडीसीपी, एसीपी, इंस्पेक्टर, एसआई, एएसआई, होमगार्ड शामिल हैं।

नए साल पर प्रदेश के प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। सीकर स्थित खाटूश्यामजी मंदिर में 30, 31 दिसंबर और एक जनवरी को लगातार 72 घंटे दर्शन होंगे। मंदिर मार्ग पर नो व्हीकल जोन लागू रहेगा और करीब तीन हजार सुरक्षाकर्मी तैनात रहेंगे। जयपुर के गोविंददेवजी मंदिर में दर्शन का समय बढ़ाकर लगभग आठ घंटे 45 मिनट कर दिया गया है। मंदिर प्रशासन के अनुसार इन दो दिनों में करीब पांच लाख श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। वहीं मोतीडूंगरी गणेश मंदिर में गणेश चतुर्थी की तर्ज पर दर्शन व्यवस्था की गई है, जहां सात प्रवेश लाइनें और आठ निकासी मार्ग बनाए गए हैं। जयपुर के प्रमुख क्लबों और होटलों में न्यू ईयर पार्टी की भव्य तैयारियां की गई हैं।

जय क्लब में ह्य80 साल बेमिसालह्न थीम पर पार्टी होगी। जयपुर क्लब में ह्यग्लेम एंड ग्लिटरह्न थीम के साथ लाइव सिंगिंग और आतिशबाजी होगी।

डबल ट्री बाय हिल्टन, रेडिसन ब्लू, ललित, मैरियट सहित बड़े होटलों में ग्लैमरस गाला नाइट, डीजे आफ्टर पार्टी, किड्स जोन और लकी ड्रॉ जैसे आयोजन होंगे। जोधपुर में एमटीवी हसल फेम रैपर सियाही, लाइव बैंड और राजस्थानी लोक नृत्य आकर्षण का केंद्र रहेंगे। अजमेर में हरियाणवी सिंगर अजय हुड्डा अपनी टीम के साथ परफॉर्म करेंगे।

उदयपुर में 300 से अधिक छोटी-बड़ी पार्टियां होंगी। विदेशी थीम बेस्ड पार्टी, ओपन एयर सेलिब्रेशन और आतिशबाजी को देखते हुए फायर ब्रिगेड को अलर्ट मोड में रखा गया है। नए साल पर उदयपुर में होटल किराए 4 से 5 गुना तक बढ़ गए हैं। जैसलमेर में नए साल के जश्न को लेकर खास उत्साह है। शहर के करीब 300 होटल और 200 से अधिक रिसॉर्ट न्यू ईयर सेलिब्रेशन के लिए तैयार हैं। होटल सूर्यगढ़ में सिंगर एपी ढिल्लो और क्रिकेटर जहीर खान नए साल का जश्न मनाएंगे। पर्यटकों के लिए 100 से अधिक व्यंजनों का विशेष मेन्यू तैयार किया गया है, जिसमें पारंपरिक राजस्थानी स्वाद के साथ इंटरनेशनल फूड शामिल है। राजस्थानी लोक संगीत, कालबेलिया नृत्य और डेजर्ट थीम पार्टियां सैलानियों को खास अनुभव देंगी।

कोलकाता में अमित शाह ने राज्य भाजपा नेतृत्व से क्षेत्रवार हालात की ली रिपोर्ट

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार रात राज्य भाजपा की कोर कमेटी के साथ अहम बैठक की। शाह ने क्षेत्रवार राजनीतिक और सामाजिक हालात की विस्तृत जानकारी ली। मौजूद नेताओं से खुलकर सुझाव भी मांगे। बैठक में उपस्थित राज्य समिति के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि सॉल्ट लेक स्थित भाजपा कार्यालय में कोर कमेटी की बैठक हुई। बैठक में राज्य भाजपा अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी, केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार और शांतनु ठाकुर के साथ संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी और केंद्रीय पर्यवेक्षक मौजूद रहे। पार्टी सूत्रों के अनुसार, शाह ने हर क्षेत्र की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर विशेष जोर दिया। बैठक में हसिंटिंग थ्योरीह्न का मुद्दा भी उठा। पत्रकार वार्ता के दौरान इस सवाल

पर सार्वजनिक रूप से असंतोष न जताने वाले शाह ने कोर कमेटी की बैठक में इस पर नाराजगी व्यक्त की। भाजपा सूत्रों का कहना है कि शाह ने साफ तौर पर कहा कि इस तरह की अटकलों को वह बिल्कुल पसंद नहीं करते। इस दौरान आगामी चुनाव को लेकर पार्टी के कार्यक्रमों, तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ आंदोलनों और संगठनात्मक तैयारियों की समीक्षा की गई। भाजपा सूत्रों के मुताबिक, शाह ने आश्वासन दिया कि मतुआ समुदाय के नाम बड़ी संख्या में मतदाता सूची से न हटें, इसकी जिम्मेदारी वह स्वयं लेंगे। साथ ही तृणमूल कांग्रेस द्वारा मतुआ इलाकों में डर का माहौल बनाकर राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिशों को नाकाम करने का भरोसा भी दिया। कोर कमेटी की बैठक के बाद अमित शाह न्यू टाउन के तालकुठी पहुंचे, जहां उन्होंने रात्रि विश्राम किया। वहीं, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ समन्वय बैठक भी हुई। इस बैठक में संघ और भाजपा के बीच राष्ट्रीय स्तर पर समन्वय की जिम्मेदारी संभालने वाले वरिष्ठ पदाधिकारी अरुण कुमार सहित कई प्रमुख नेता मौजूद रहे। हालांकि बैठक के बाद संघ नेतृत्व ने मीडिया से कोई बातचीत नहीं की। उसमें शामिल बंगाल के प्रचार प्रमुख जिष्णु बसु ने कहा कि यह आंतरिक बैठक थी। इसके बारे में कोई ऐसी बात नहीं है जो बाहर बताई जाए।

अमेरिका ने मिनेसोटा का चाइल्ड केयर फंड रोका

एजेंसी

वाशिंगटन : अमेरिका के स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग (एचएचएस) ने वायरल धोखाधड़ी के आरोपों का हवाला देते हुए मिनेसोटा राज्य के संघीय चाइल्ड केयर फंड (बाल देखभाल भुगतान) पर रोक लगा दी। एचएचएस के उप सचिव जिम ओ'नील ने एक्स में मंगलवार को इस कदम की घोषणा करते हुए लिखा, "मिनेसोटा और पूरे देश में बड़े पैमाने पर खुली धोखाधड़ी हो रही है। हमने पैसे का भुगतान रोक दिया है। धोखाधड़ी का पता लगाया जा रहा है।" सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ओ'नील ने यह जानकारी साझा करते हुए वीडियो का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि इसमें कंजर्वेटिव यू-ट्यूबर निक शर्ली ने आरोप लगाया कि फंड लेने वाले मिनेसोटा के लगभग एक दर्जन डे केयर सेंटर असल में सेवाएं नहीं दे रहे हैं। ओ'नील ने कहा कि एजेंसी ने वीडियो में बताए गए सेंटरों की पहचान कर ली है। राज्य से उनका व्यापक विवरण मांगा गया है। राज्य के रिकॉर्ड के

अनुसार, दो डे केयर सेंटर को छोड़कर सभी मान्यता प्राप्त हैं। मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज के प्रवक्ता ने बयान में कहा, "गवर्नर वर्षों से धोखाधड़ी से लड़ रहे हैं, जबकि राष्ट्रपति धोखेबाजों को जेल से बाहर निकाल रहे हैं। धोखाधड़ी गंभीर मुद्दा है। लेकिन यह इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए। इससे मिनेसोटा के लोगों को नुकसान होगा। लोगों की मदद करने वाले सरकारी कार्यक्रमों की फंडिंग नहीं बंद की जानी चाहिए।" ओ'नील ने कहा कि अब देश भर में किए जाने वाले सभी भुगतानों के लिए किसी भी राज्य को पैसे भेजने से पहले एक शपथपत्र, एक रसीद और फोटो की जरूरत होगी। एचएचएस के साझा किए गए एक वीडियो में एजेंसी के प्रमुख एलेक्स एडम्स ने कहा कि एडमिनिस्ट्रेशन फॉर चिल्ड्रन एंड फैमिलीज सालाना मिनेसोटा को चाइल्ड केयर फंड में लगभग 185 मिलियन डॉलर (1,661.22 करोड़ रुपये) भेजता है। इससे कम आय वाले परिवारों के लगभग 23,000 बच्चों की सहायता होती है।

नए साल से पहले हिमाचल के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी, शिमला-मनाली में भी हिमपात की उम्मीद

एजेंसी

शिमला : नए साल से ठीक पहले हिमाचल प्रदेश में मौसम ने करवट ले ली है और पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होते ही राज्य के ऊंचे पर्वतीय इलाकों में बर्फबारी का दौर शुरू हो गया है। इससे ठंड में तेजी से इजाफा हुआ है। जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति के रिहायशी इलाकों में बीती रात से हिमपात जारी है और कुकुमसेरी में हल्की बर्फबारी दर्ज की गई है और तापमान शून्य से नीचे चला गया है। किन्नौर और कुल्लू की ऊंची चोटियों पर बर्फ गिर रही है। शिंकुला दर्रा, बारालाचा ला और

रोहतांग दर्रे पर ताजा हिमपात से ऊंचे इलाकों में कड़ाके की सर्दी पड़ रही है। उधर, हिल स्टेशनों शिमला, कुफरी और मनाली में घने बादल छाए हुए हैं और यहां भी बर्फबारी की प्रबल संभावना बन गई है। इससे दिसंबर में सीजन की पहली बर्फबारी का इंतजार कर रहे स्थानीय लोगों और सैलानियों की उम्मीदें बढ़ गई हैं। नए साल का जश्न मनाने बड़ी संख्या में पर्यटक शिमला, मनाली और आसपास के पर्यटन स्थलों में पहुंचे हैं और बर्फ गिरने की आस में मौसम पर नजर बनाए हुए हैं। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार आज और कल नए साल के पहले दिन राज्य के कई हिस्सों में बारिश और बर्फबारी की संभावना है, जबकि 2 जनवरी को भी कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा व हिमपात हो सकता है। 3 और 4 जनवरी को मौसम साफ रहने का अनुमान है, लेकिन 5 और 6 जनवरी को एक बार फिर बारिश और बर्फबारी के आसार जताए गए हैं। विभाग ने अगले तीन दिनों तक शीतलहर का येलो अलर्ट जारी किया है, वहीं 2 से 4 जनवरी के बीच निचले और मैदानी इलाकों में घने कोहरे की चेतावनी दी गई है। आज सुबह बिलासपुर में कोहरे के कारण दृश्यता घटकर 250 मीटर, पांवटा साहिब में 500 मीटर और सुंदरनगर में 800 मीटर दर्ज की गई।

तारिक रहमान ने मां खालिदा जिया को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

ढाका : बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान ने अपनी मां पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के निधन पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। तारिक ने उन्हें प्रभावशाली राष्ट्रीय नेता और प्यारी मां के तौर पर याद किया। बीएनपी अध्यक्ष खालिदा का कल सुबह ढाका के एवरकेयर अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया था। आज उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, तारिक ने फेसबुक पोस्ट में कहा कि खालिदा जिया का सार्वजनिक जीवन त्याग और संघर्ष से भरा रहा। वह घर और परिवार की सबसे सच्ची संरक्षक थीं। उन्होंने लिखा, ह्यउनके असीम प्यार ने हमें हमारे सबसे मुश्किल पलों में ताकत दी।ह्न खालिदा के बड़े बेटे तारिक ने कहा, ह्यकई लोगों के लिए वह देश की नेता थीं, बिना समझौता करने वाली नेता, लोकतंत्र की जननी, बांग्लादेश की मां थीं। उन्होंने कहा कि देश को उनकी कमी खलेगी। राजनीतिक संघर्ष के दिनों को याद करते हुए तारिक ने कहा कि उनकी मां को कई बार गिरफ्तार किया गया। उन्हें चिकित्सा सुविधा से वंचित रखा गया। मां ने उसे सहा। दर्द, कैद और अनिश्चितता के बावजूद मां ने साहस और करुणा के साथ अपने परिवार की रक्षा की। दिवंगत राष्ट्रपति और बीएनपी संस्थापक जिया-उर-रहमान और छोटे भाई अराफात रहमान कोको का जिक्र करते हुए तारिक ने कहा कि मां ने देश की सेवा में अपने पति और बेटे को खोने का दर्द सहा।

स्टॉक मार्केट में अपोलो टेक्नो की मजबूत लिस्टिंग, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली : एडवांस्ड कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट बनाने वाली कंपनी अपोलो टेक्नो इंडस्ट्रीज के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूती के साथ एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 130 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 11.54 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 145 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयरों के भाव में और तेजी आ गई। सुबह 11:30 बजे तक कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 150.50 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 15.77 प्रतिशत का मुनाफा हो चुका है। अपोलो टेक्नो इंडस्ट्रीज का 47.96 करोड़ रुपये

का आईपीओ 23 से 26 दिसंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 50.63 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 25.26 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 98 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 44.81 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 36,89,000 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्ज को चुकाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 90 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 3.23 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 13.79 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष की बात करें, 2025-26 की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून के दौरान कंपनी को 1.08 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस दौरान कंपनी की आय 44 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 99.66 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गई। वहीं मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून के दौरान कंपनी को 24.67 करोड़ रुपये की आय हो चुकी है। इस दौरान कंपनी पर कर्ज के बोझ में भी कमी आई। 2025-26 की पहली तिमाही के अंत में कंपनी पर 30.57 करोड़ रुपये का कर्ज था। इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस की बात करें, तो वित्त वर्ष 2022-23 के आखिरी में ये 5.71 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिरी में बढ़ कर 9.07 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 के आखिरी में उछल कर 15.32 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं 2025-26 की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून के अंत में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 16.38 करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंच गया था।

न्यूज IN ब्रीफ

तीन चोर एवं ड्रग्स तस्करी में लिप्त महिला गिरफ्तार

गुवाहाटी : गुवाहाटी की पानबाजार पुलिस ने चोरी मामले में शामिल तीन चोरों को गिरफ्तार किया है। वहीं दिसपुर पुलिस ने एक महिला ड्रग्स तस्कर को ड्रग्स समेत गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाया गया अभियान के दौरान पानबाजार थाना इलाके से मोबाइल चोरी मामले में शामिल तीन चोरों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार चोरों की पहचान विकी साह (19), सलीम अली (28) और प्रकाश कुमार झा (30) के रूप में की गई है। गिरफ्तार तीनों आरोपित के पास से पुलिस ने चोरी के तीन मोबाइल फोन बरामद किया है। वहीं, दिसपुर पुलिस द्वारा चलाए ड्रग्स विरोधी अभियान के दौरान एक महिला ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार महिला ड्रग्स तस्कर की पहचान सुल्ताना परवीन के रूप में की गई है। उसके पास से पुलिस ने 11.20 ग्राम हेरोइन जब्त किया है। दोनों मामलों में पुलिस अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार सभी आरोपितों से सघन पूछताछ कर रही है।

मुख्यमंत्री साय की अध्यक्षता में साल की अंतिम कैबिनेट बैठक आज

रायपुर : छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आज बुधवार को मंत्रालय महानदी भवन में छत्तीसगढ़ सरकार की साल की अंतिम कैबिनेट बैठक होगी। बैठक सुबह 11 बजे से शुरू होने वाली इस बैठक में सरकार के कई अहम निर्णयों पर चर्चा होने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, बैठक में स्वास्थ्य, शिक्षा, कर्मचारियों से जुड़े प्रस्ताव प्रमुख चर्चा का विषय होंगे। इसके अलावा कमिश्नरी, धर्मांतरण संशोधन विधेयक और जमीन रजिस्ट्री जैसे संवेदनशील मामलों पर भी कैबिनेट में आवश्यक निर्णय लिए जा सकते हैं।

यमुनानगर:चोरों ने बंद मकान को बनाया निशाना, नकदी व आभूषण चोरी

यमुनानगर : यमुनानगर शहर की महावीर कॉलोनी में अज्ञात चोरों ने एक बंद पड़े मकान में सेंध लगाकर नकदी और कीमती आभूषणों पर हाथ साफ कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद थाना शहर यमुनानगर पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में राकेश ग्रोवर ने बताया कि वह 27 दिसंबर को अपने परिवार के साथ बाहर गए हुए थे। 29 दिसंबर को जब वे वापस लौटे तो घर के मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ मिला। अंदर जाकर देखने पर घर का सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था। जांच में सामने आया कि चोर घर से करीब 22 हजार रुपये नकद, लगभग नौ तोले सोने के आभूषण और 50 ग्राम चांदी के गहने चोरी कर ले गए। पुलिस अधिकारियों के अनुसार आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि आरोपियों की पहचान कर उन्हें जल्द पकड़ा जा सके। पुलिस ने बुधवार को मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ में शीतलहर जारी, अंबिकापुर सबसे ठंडा

रायपुर : छत्तीसगढ़ में कड़ाके की ठंड पड़ रही है जिससे आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। प्रदेश की राजधानी रायपुर सहित उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ में शीतलहर जारी है। उत्तरी छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिला मुख्यालय अंबिकापुर में न्यूनतम तापमान महज 4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ के जिलों में अगले 24 घंटों के दौरान एक-दो स्थानों पर शीतलहर चलने की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग ने बताया है कि इस समय पश्चिमी विक्षोभ प्रभावी नहीं है, जिसके कारण प्रदेश में ठंडी और शुष्क हवाएं चल रही हैं। यही वजह है कि न्यूनतम तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अगले कुछ दिनों तक ठंड से राहत मिलने की संभावना बेहद कम है। उत्तरी छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में ठंड ने रिकॉर्ड तोड़ असर दिखाया है। यहां न्यूनतम तापमान महज 4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिससे यह प्रदेश का सबसे ठंडा इलाका बना हुआ है। राजधानी रायपुर में भी रात के तापमान में भारी गिरावट देखने को मिली है। देर रात और तड़के सुबह ठंड का असर ज्यादा महसूस किया जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले 2 से 3 दिनों तक शीतलहर की स्थिति बनी रह सकती है। लोगों से अपील की गई है कि वे ठंड से बचाव के लिए गर्म कपड़े पहनें और सुबह-शाम बाहर निकलने से बचें।

राजधानी में मंगलवार को अधिकतम तापमान 28.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से थोड़ा अधिक रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 11.6 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया, जिससे रात और सुबह के समय ठिठुरन बढ़ गई। सुबह 8.30 बजे आर्द्रता 71 प्रतिशत और शाम 5.30 बजे 48 प्रतिशत दर्ज की गई। हवा की गति औसतन 2 किमी प्रति घंटा रही और आकाश साफ बना रहा।

जल जीवन मिशन से हर घर नल-जल का सपना साकार

रायपुर : शासन की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन के माध्यम से मुंगेली जिले में हर घर नल से शुद्ध जल उपलब्ध कराने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। जिले के सभी 674 ग्रामों में घर-घर शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए तेजी से

कार्य कराए जा रहे है। अब तक जिले के एक लाख 48 हजार 875 परिवारों को नल कनेक्शन प्रदान किया जा चुका है, जिससे ग्रामीण जीवन में सुखद बदलाव आया है। योजना के अंतर्गत अब तक 236 ग्रामों को हर घर जल ग्राम घोषित कर संबंधित ग्राम पंचायतों को योजनाओं का विधिवत हस्तांतरण किया जा चुका है। शेष ग्रामों में भी कार्य अंतिम चरण में है तथा उन्हें शीघ्र हर घर जल ग्राम घोषित किए जाने की प्रक्रिया चल रही है। विकासखंड मुंगेली अंतर्गत 126 ग्राम पंचायतों के 263 ग्रामों हेतु स्वीकृत योजनाओं में से 100 ग्रामों में कार्य पूर्ण किया जा चुका है, जबकि 94 ग्रामों में हर घर जल का कार्य संपन्न कर योजनाओं का संचालन ग्राम पंचायतों द्वारा किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त स्वीकृत 215 उच्चस्तरीय जलागारों में से 141 का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। जिले के ग्राम सेतगंगा में राष्ट्रीय राजमार्ग चौड़ीकरण के कारण पाइप लाइन शिफ्टिंग का कार्य कराया जा रहा है। ग्राम विचापुर एवं शुक्लामाठा में टेस्टिंग उपरांत आंशिक जल प्रदाय प्रारंभ हो गया है। ग्राम नागपरी एवं मुड़ापार में योजना पूर्ण कर ग्राम पंचायत को हस्तांतरित की जा चुकी है। ग्राम बिजाताराई में कार्य प्रगतिरत है, जबकि ग्राम तरकपुर में परीक्षण एवं आवश्यक सुधार कार्य जारी है। ग्राम कंचनपुर में सोलर पैनल चोरी की घटना से बाधित जल प्रदाय को फिर से बहाल करने के लिए कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर द्वारा जल जीवन मिशन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिला जल एवं स्वच्छता समिति की नियमित बैठकें आयोजित की जा रही हैं।

एक्वा वर्ल्ड रिलायंस कार्निवल का तीसरा दिन

स्मृति को रांची की मिस दिवा और पृथ्वी को मिस्टर हंक का खिताब मिला

प्रतियोगिता के विजेता

☆बैलून बैलेंस : सुप्रिया
☆मिमिक्री : सूरज
☆बबल गम ब्लास्ट : अमृत
☆चॉकलेट ईटिंग : सुमित, शानवी, तैयब, जेसिका, मोना, सुनंदा
☆बेस्ट साड़ी : सपना, अंकिता, मोना
☆फैंसी ड्रेस : जिया, प्रियांशी

संवाददाता

रांची : एक्वा वर्ल्ड के द्वारा नव वर्ष के अवसर पर आठ दिवसीय नव वर्ष मेला रिलायंस कार्निवल 2026 के तीसरे दिन का मुख्य आकर्षण कैटवॉक प्रतियोगिता थी जिसमें युवकों और युवतियों को रैंप वॉक करना था और जज के सवालों का जवाब देना था। निर्णायक के रूप में पूनम आनंद, फेमिना मिस इंडिया ईस्ट जोन विजेता रिया नंदिनी, प्रियांशु राज, जयंत मिश्रा उपस्थित थे। स्मृति को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के कारण रांची की मिस दिवा का खिताब मिला जबकि दूसरे स्थान पर प्राची और तीसरे स्थान पर तनिष्का रही। पृथ्वी को मिस्टर हंक का खिताब मिला जबकि दूसरे स्थान पर उज्ज्वल और तीसरे स्थान पर मिन्हाज रहे।

तीसरे दिन भी प्रतियोगिताओं की धूम रही सबसे पहले बैलून को बैलेंस करने की चुनौती थी इसके बाद मिमिक्री कंपटीशन थी बच्चों ने स्टार्स की आवाज को निकाला। इसके बाद बबल गम को सबसे ज्यादा ब्लास्ट करने की चुनौती थी। महिलाओं ने मिस्त्री ज्वेलरी टच में खूब आनंद लिय। उनकी आंखों पर पट्टियां बांधकर उन्हें गहनों को पहचानने की चुनौती थी। इसके बाद महिलाओं ने बेस्ट साड़ी कंपटीशन में मेड इन इंडिया गाने के थीम पर कैटवॉक किया। आज फैंसी ड्रेस कंपटीशन में भी बड़े संख्या में बच्चे आए थे। आज के आउटफिट का थीम रेड कलर था। सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

चॉकलेट ईटिंग कंपटीशन में 300 बच्चों ने हिस्सा लिया

आज बच्चों के लिए चॉकलेट ईटिंग कंपटीशन का आयोजन किया गया था। जिसमें कम समय में बच्चों को ज्यादा से ज्यादा चॉकलेट खाने की चुनौती थी। 300 से ज्यादा बच्चों ने इसमें हिस्सा लिया। इसलिए इसे कई राउंड में करना पड़ा। बच्चों ने जमकर चॉकलेट खाया और इनाम भी जीता।

इस अवसर पर एक्वा वर्ल्ड समूह के चेयरपर्सन प्रतुल शाह देव, डॉ विद्या झा, विपुल नायक ,सत्य प्रकाश चंदेल, लोकेश कुमार,वसीम आलम,राहुल शाह देव,देव ज्योति नाहा,आनंद नायक, प्रदुमन, उदय, आदि उपस्थित थे।

रिलायंस कार्निवल में 31 दिसंबर के कार्यक्रम

बनाना चॉप कंपटीशन, फ्रीज वाला गरबा डांस, माइंड मास्टर, जुबान जलवा स्लो डाउन, क्रेजी कैरेक्टर सेल्फी ,मैं शायर तो नहीं ,बीवी को उठाने का कंपटीशन, चॉकलेट ईटिंग कंपटीशन, गुडबाय 2025 (विपुल नायक और दीपांजलि ग्रुप)

बिहार के वरीय आईपीएस अधिकारी एवं पुलिस महानिदेशक आलोक राज आज हुए सेवानिवृत्त

विनय मिश्रा

मिथिलेश स्टेडियम, पटना में आलोक राज आईपीएस 1989 पुलिस महानिदेशक-सह-अध्यक्ष- सह-प्रबंध निदेशक, बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम अतिरिक्त प्रभार-अध्यक्ष,बी एस एस सी , बिहार, पटना की सेवा निवृत्ति के अवसर पर सम्मान समारोह एवं रैतिक परेड का आयोजन किया गया । इस गरिमामयी अवसर पर विनय कुमार, पुलिस

महानिदेशक, बिहार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी तथा बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी उपस्थित रहे। सभी ने उनकी अमूल्य सेवाओं, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण भाव के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी। गौरतलब हो कि भारतीय पुलिस सेवा 1989 बैच के लोकप्रिय कर्मठ आईपीएस अधिकारी आलोक राज और विभाजित बिहार के समय पश्चिम सिंहभूम चाईबासा के लोकप्रिय पुलिस अधीक्षक रह चुके हैं। तथा उस समय सरायकेला पश्चिम सिंहभूम जिला में ही समाहित था।